हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 277 बेमेतरा, बुधवार 03 जून 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

दरियादिली जान पर पड़ी भारी! बच्ची की जान बचाने नदी में कूदे 5 लोग

कुरनूल। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में इंसानियत और बहादुरी की एक दर्दनाक मिसाल देखने को मिली। तुंगभद्रा नदी में फिसलकर गिरी एक नाबालिग लड़की को बचाने के लिए पांच लोगों ने अपनी जान की परवाह किए बिना नदी में छलांग लगा दी। बच्ची को तो सुरक्षित बचा लिया गया, लेकिन उसे बचाने वाले पांचों लोग तेज बहाव में बह गए। पुलिस के अनुसार, सभी के डूबने की आशंका है और उनकी तलाश जारी है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार शाम करीब 4:30 बजे मंत्रालयम क्षेत्र में तुंगभद्रा नदी के किनारे यह हादसा हुआ। एक नाबालिग लड़की नदी किनारे पैर धो रही थी, तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह फिसलकर नदी में गिर गई। कुछ ही पलों में वह तेज धारा में बहने लगी। लड़की को बहता देख वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। उसकी जान बचाने के लिए पहले एक व्यक्ति नदी में कूदा, फिर दूसरा और देखते ही देखते कुल पांच लोग बचाव के लिए पानी में उतर गए।

कंटेनर से टकराई कार, तीन की मौत, गाड़ी काटकर निकाले शव

आगरा। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक भीषण सड़क हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं। बिहार से राजस्थान जा रही एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी भयावह थी कि कार का अगला हिस्सा कंटेनर के भीतर तक घुस गया और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा रविवार रात करीब 1:45 बजे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 36+950 पर हुआ। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि लंबी यात्रा के दौरान चालक को झपकी आ गई, जिसके चलते कार अनियंत्रित होकर कंटेनर से जा भिड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास मौजूद लोग दहल उठे। कार की कंडक्टर साइड पूरी तरह चकनाचूर हो गई और वाहन कंटेनर में फंस गया। कार चला रहे मोहम्मद सोएव अपने साथियों के साथ राजस्थान के चुरू जिले की ओर जा रहे थे।

भारत की राजनीति में घुसने की साजिश रच रहा पाकिस्तान

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लगातार सख्त होती कार्रवाई से बौखलाई पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई अब एक नई रणनीति के तहत भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में घुसपैठ की कोशिश कर रही है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, आईएसआई ने अपने समर्थक नेटवर्क और ओवर ग्राउंड वर्कर्स को मुख्यधारा की राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होकर काम जारी रखने के निर्देश दिए हैं। ताकि सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी से बचा जा सके और आतंकी तंत्र को नया आवरण प्रदान किया जा सके। सूत्रों के मुताबिक, हाल के महीनों में हुई कई गिरफ्तारियों और पूछताछ के दौरान ऐसे संकेत मिले हैं कि कुछ संदिग्ध तत्व राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक पार्टियों से जुड़े होने का दावा कर रहे थे। जांच एजेंसियां इस पहलू की गंभीरता से पड़ताल कर रही हैं।

वेदांता ग्रुप पर ईडी का छापा

फाउंडर अनिल अग्रवाल के कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई

नई दिल्ली/ एजेंसी

इस वक्त की बड़ी देश के औद्योगिक घराने से आई है। देश की प्रमुख बिजनेश कंपनी वेदांता ग्रुप पर ईडी ने छापा मारा है। ईडी ने वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ रेड मारी है। यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम यानी फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट एफईएमए से जुड़े एक मामले में की गई है, जिसकी जांच चल रही है। वेदांता के खिलाफ यह तलाशी सोमवार से ही जारी है। मामले या तलाशी के बारे में अभी तक कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। कंपनी या ईडी की तरफ से आधिकारिक जवाब का इंतजार है। वेदांता के खिलाफ तलाशी अभियान तकेंद्रीय एजेंसी ने एफईएमए एक्ट के तहत इस मल्टीनेशनल माइनिंग कंपनी के खिलाफ जांच के दौरान शुरू की। वेदांता के खिलाफ यह जांच कंपनी अपने सिक्योर्ड लेनदारों से एक बड़े डीमर्जर प्लान के लिए मंजूरी मिलने के लगभग एक महीने बाद शुरू हुई है, जिसके तहत कंपनी को 5 स्वतंत्र कंपनियों में बांटा जाना है। बता दें कि फेमा अधिनियम का मुख्य उद्देश्य भारत में विदेशी मुद्रा के लेन-देन पर निगरानी रखना होता है। ईडी एफईएमए का इस्तेमाल उन मामलों की जांच के लिए करता है जहां उसे संदेह होता है कि किसी व्यक्ति या कंपनी ने विदेशी मुद्रा लेनदेन से संबंधित नियमों का उल्लंघन किया है। इसमें अधिकतर ऐसे मामले शामिल होते हैं जैसे अवैध रूप से विदेश में धन हस्तांतरण करना, हवाला, विदेश में अवैध रूप से संपत्ति अर्जित करना, या विदेशी निवेश से संबंधित नियमों का पालन न करना। बता दें कि वेदांता ग्रुप का नाम पहले भी विदेशी मुद्रा मामलों में नियामक जांच के दायरे में आ चुका है। वर्ष 2004 में प्रवर्तन निदेशालय ने स्टरलाइट इंडस्ट्रीज और उसके तीन प्रमोटर निदेशकों को एफईआरए और फेमा के नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया था और कंपनी तथा उसके निदेशकों पर जुर्माना लगाया था। वहीं अप्रैल 2026 में छत्तीसगढ़ के सक्ति में पावर प्लांट में बॉयलर फटने के मामले में वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल पर कई धाराओं में एफआईआर दर्ज किया गया था। सक्ती जिला स्थित वेदांता पावर प्लांट में 14 अप्रैल को हुए भीषण हादसे में 25 लोगों की मौत हो गई थी। हादसे में अनिल अग्रवाल के खिलाफ कई धाराओं में एफआईआर दर्ज किया गया है। जबकि पिछले महीने (मई 2026) बुर्ला सिंचाई प्रभाग ने ओडिशा में भेडेन नदी/नहर से बिना अनुमति के पानी निकालने के आरोप में वेदांता एल्युमीनियम पर ?233.11 करोड़ का जुर्माना लगाया था। वेदांता ग्रुप भारत की सबसे बड़ी प्राथमिक एल्युमिनियम उत्पादक कंपनी है। भारत की कुल जिंक जरूरत का लगभग 81त्न उत्पादन यही ग्रुप करता है। कंपनी केयर्न इंडिया की मदद से कच्चे तेल का उत्पादन करती है। वेदांता ग्रुप ने भारत में अगले कुछ सालों में लगभग 2 लाख करोड़ का भारी निवेश करने की योजना बनाई है।

वेदांता ने कहा- जांच में पूरा सहयोग करेंगे

वेदांता ने सर्च ऑपरेशन की पुष्टि करते हुए कहा कि कंपनी जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है और मांगी गई सभी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। कंपनी के बयान में कहा गया, हम अधिकारियों को पूरा सहयोग दे रहे हैं और आवश्यक सभी दस्तावेज एवं जानकारी उपलब्ध करा रहे हैं। वेदांता सभी लागू कानूनों और नियामकीय प्रावधानों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। चूंकि मामला फिलहाल जांच प्रक्रिया में है, इसलिए इस समय इससे अधिक टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि एफईएमए से जुड़ी यह जांच ऐसे समय में सामने आई है जब वेदांता अपने डीमर्जर और संभावित नई लिस्टिंग्स की तैयारी कर रही है। ऐसे में जांच के निष्कर्षों पर निवेशकों, शेयर बाजार और नियामक संस्थाओं की करीबी नजर बनी रहेगी। हालांकि कंपनी ने कानूनों के पालन और जांच में सहयोग का भरोसा जताया है, लेकिन आने वाले दिनों में ईडी की जांच से जुड़े निष्कर्ष बाजार की धारणा को प्रभावित कर सकते हैं।

सलीम डोला ड्रग्स केस में ईडी का एक्शन, मुंबई-गुजरात में 20 ठिकानों पर छापेमारी

अन्डवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहीम के करीबी और इंटरनेशनल ड्रग तस्कर सलीम इस्माइल डोला के 20 ठिकानों पर श्वष्ठ की बड़ी कारवाई चली. इंटरनेशनल ड्रग तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के खिलाफबड़ी कारवाई करते हुए ईडी सलीम इस्माइल डोला के साथ उसके सहयोगियों के ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई की गयी है. यह कारवाई मुंबई और गुजरात में कई जगहों पर की गयी है. ईडी के मुताबिक तुर्किये से भारत वापस लाए गए तस्कर मोहम्मद सलीम डोला के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क मामले में यह छापेमारी चल रही है. जांच एजेंसियों के मुताबिक अभी हाल ही में तुर्की से भारत लाए गए सलीम डोला का सबंध अन्डवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहीम के नेटवर्क से भी रहा है और वह काफी समय से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नशीले पदार्थों के कारोबार में सक्रिय था. ईडी के राडार पर ड्रग्स बनाने में इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स के सप्लायर, कारोबार से जुड़े बिचौलिए, सिंथेटिक ड्रग मेफेड्रोन (एमडी) के निर्माता और तस्कर, हवाला ऑपरेटर तथा ड्रग्स के पैसे से खरीदी गई बेनामी संपत्तियों से जुड़े लोग शामिल हैं. प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार यह नेटवर्क कई देशों तक फैला हुआ था और हजारों करोड़ रुपये के ड्रग कारोबार से जुड़ा हुआ है. यह जांच प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट 2002 के तहत शुरू की गई है. ईडी को जांच के दौरान एक बेहद संगठित और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क के सबूत मिले हैं. जांच में यह भी सामने आया है कि अपराध से अर्जित धन को हवाला चैनलों के जरिए इधर-उधर भेजा जाता था ताकि उसकी असली पहचान छिपाई जा सके. छापेमारी के दौरान दस्तावेज, वित्तीय रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल सबूत जुटाए जा रहे हैं.

ट्विशा शर्मा केस

समर्थ और गिरीबाला सिंह 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली। भोपाल के चर्चित ट्विशा शर्मा डेथ केस में सीबीआई की विशेष अदालत ने आरोपी समर्थ सिंह और उनकी मां, पूर्व जज गिरीबाला सिंह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया है। कोर्ट ने दोनों को 16 जून तक भोपाल सेंट्रल जेल में रखने का निर्देश दिया है। इस दौरान दोनों आरोपियों को अन्य कैदियों से अलग रखने की व्यवस्था की जाएगी। जानकारी के अनुसार, सोमवार (2 जून) को रिमांड समाप्त होने के बाद दोनों आरोपियों को सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया था। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने आगे रिमांड की मांग नहीं की, जिसके बाद अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश पारित किया। कोर्ट रूम की कार्यवाही के दौरान माहौल उस समय गरमा गया जब दोनों पक्षों के वकीलों के बीच तीखी बहस हुई। सुनवाई में आरोपी गिरीबाला सिंह ने आरोप लगाया कि ट्विशा के वकील अनुराग श्रीवास्तव ने जबलपुर कोर्ट परिसर में उनके बेटे समर्थ के साथ मारपीट की थी। इस आरोप पर अधिवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि जबलपुर कोर्ट परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं और यदि ऐसी कोई घटना हुई है तो उसकी फुटेज निकलवाकर जांच कर ली जाए। उन्होंने यह भी कहा कि समर्थ सिंह को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वे उस समय कोर्ट परिसर में कहां मौजूद थे। मामले की जांच के दौरान समर्थ सिंह और उनकी मां गिरीबाला सिंह ने अपने ऊपर लगे मारपीट और सबूतों से छेड़छाड़ के सभी आरोपों को खारिज किया है। दोनों का कहना है कि ट्विशा के साथ उनके संबंध सामान्य थे और लगाए गए आरोप निराधार हैं। सीबीआई इस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और दोनों पक्षों के बयानों का उपलब्ध साक्ष्यों से मिलान किया जा रहा है।

'कॉकरोच जनता पार्टी' उतरेगी सड़कों पर 6 जून को भारत लौट रहे अभिजीत दीपके

नई दिल्ली । देश में नीट परीक्षा को लेकर मचे सियासी घमासान और छात्रों के आक्रोश के बीच अब सोशल मीडिया की जंग सीधे देश की राजधानी दिल्ली की सड़कों पर उतरने की तैयारी में है। सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर आंधी की तरह उभरी 'कॉकरोच जनता पार्टी' अब दिल्ली में एक बड़े और व्यापक आंदोलन का बिगुल फूंकने जा रही है। इस आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए इसके संस्थापक और चर्चित सोशल मीडिया एक्टिविस्ट अभिजीत दीपके आगामी 6 जून को अमेरिका से भारत लौट रहे हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर अपने फॉलोअर्स से सीधे दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने की अपील की है, जिसके बाद से ही खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक इस वक्त सबसे बड़ा सवाल यही तैर रहा है कि आखिर अभिजीत दीपके के अचानक भारत आने और इस कथित आंदोलन के पीछे का मुख्य एजेंडा क्या है? इसका खुलासा खुद अभिजीत ने अपने वीडियो में किया है।

कुशीनगर में गरजे सीएम योगी

यूपी में अब कट्टा नहीं,सीधे मिसाइल बनती है-योगी.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को कुशीनगर जनपद के तमकुहीराज क्षेत्र में पहुंचे, जहां उन्होंने जनपदवासियों को विकास की एक बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान कुल 424 करोड़ रुपये की लागत वाली 278 विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नए उत्तर प्रदेश में विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है और जनता के कल्याण के लिए प्रदेश के खजाने का मुंह पूरी तरह खुला हुआ है। उन्होंने कहा कि आज राज्य में परिवारवाद की राजनीति को खत्म कर केवल विकास और रोजगार पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। जनसभा में कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने चिरपरिचित अंदाज में विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के समय सूबे में कट्टा और बम बनाए जाते थे, जिससे केवल दंगे और बेरोजगारी फैलती थी। लेकिन आज का नया उत्तर प्रदेश बदल चुका है, अब यहाँ अवैध कट्टे नहीं बल्कि डिफेंस कॉरिडोर में सीधे मिसाइलें बनती हैं। जिसे दागने पर पड़ोसी देश पाकिस्तान भी थर-थर कांपता है। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश में कोई भी पर्व-त्योहार बिना दंगों के नहीं मनता था, लेकिन आज अपराधियों में खौफ के चलते कोई दंगा करने की सोच भी नहीं सकता। मुख्यमंत्री ने कुशीनगर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए।

रोकी गई केदारनाथ यात्रा, बद्रीनाथ मार्ग पर भी संकट, भारी बारिश के कारण रास्ते में फंसे यात्री

देहरादून । उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश ने चारधाम यात्रा पर असर डालना शुरू कर दिया है। खराब मौसम, भूस्खलन और सड़कों पर बढ़ते खतरे को देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया है। वहीं बद्रीनाथ हाईवे पर भी हजारों श्रद्धालु घंटों तक जाम में फंसे रहे, जिससे यात्रा व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। रुद्रप्रयाग प्रशासन ने बताया कि मौसम विभाग द्वारा जारी ऑरेंज अलर्ट के मद्देनजर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी कारण केदारनाथ धाम की यात्रा फिलहाल अगले आदेश तक स्थगित कर दी गई है। पुलिस और प्रशासन ने यात्रियों से सहयोग की अपील करते हुए सुरक्षित स्थानों पर रुकने की सलाह दी है।

सड़क पर उतरीं ममता बनर्जी

सुवेंदु पर बोला हमला,मुझे गिरफ्तार कर लो-ममता....

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद से ही टीएमसी नेता और कार्यकर्ताओं पर एक-एक करके कई हमलों के बाद बंगाल की सियासत गरमा गई है। भड़की हुई दीदी यानी बंगाल की पूर्व सीएम और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने सड़कों पर उतरने का फैसला कर लिया है। ममता दीदी ने कहा कि भले ही मुझे गिरफ्तार कर लो लेकिन मै जनता के बीच बैठूंगी ही..दरअसल बंगाल में करारी हार के बाद ममता बनर्जी का पहला बड़ा शक्ति प्रदर्शन कोलकाता के ऐतिहासिक रानी रासमणि एवेन्यू पर शुरू हो गया है। यहां ममता बनर्जी टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और सांसद कल्याण बनर्जी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं पर हुए हालिया हमलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए धरने पर बैठ गई है। धरना स्थल पर पहुंचने से पहले ममता ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और अपने हाथों में भारत के संविधान की एक प्रति लेकर मार्च किया। उन्होंने सीधे तौर पर नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी पर लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन का आरोप लगाया है। ममता बनर्जी ने हुंकार भरते हुए कहा कि टीएमसी के नेताओं को डराकर या उनके सुरक्षा कवच को हटाकर पार्टी को कमजोर नहीं किया जा सकता। टीएमसी का आरोप है कि जब अभिषेक बनर्जी दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में चुनावी हिंसा से प्रभावित परिवारों से मिलने गए थे उस दौरान उनके काफिले पर ईंटों, पत्थरों और अंडों से हमला किया गया, जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गए।

हाईकोर्ट के फैसले को रद्द किया

शादीशुदा बेटी भी अनुकंपा नियुक्ति की पात्र है-सुप्रीम..

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के उन फैसलों को पलट दिया है, जिन फैसलों के मुताबिक शादीशुदा बेटी अपने माता-पिता के परिवार में नहीं आती है और इसलिए उसे अनुकंपा लाभ नहीं मिल सकता है. जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि विवाहित बेटी को बाहर रखना संविधान के समानता सिद्धांत के खिलाफ है। फैसले में कहा है कि माता-पिता के ना रहने पर उनपर आश्रित विवाहित पुत्री अनुकंपा रोजगार की पात्र है. सुप्रीम कोर्ट ने साफ साफ कहा है कि अगर शादीशुदा बेटी अन्य सभी शर्तें पूरी करती है तो उसका दावा सिर्फ वैवाहिक स्थिति के आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता. सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उन फैसलों को पलटते हुए कहा की सिर्फ शादीशुदा होने के आधार पर किसी बेटी को अनुकंपा नियुक्ति या कल्याणकारी लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता है। अगर शादीशुदा बेटी अनुकंपा नियुक्ति की सभी शर्तें पूरी करती है तो. सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि माता-पिता के ना रहने पर उनपर आश्रित विवाहित पुत्री अनुकंपा रोजगार की पात्र है.

सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पहुंचे बीजापुर के सुदूर गांव कोण्डापल्ली

मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों को वितरित किए विभिन्न योजनाओं के लाभः ग्रामीणों से किया संवाद...

- सुशासन का संदेश लेकर गांव-गांव पहुंच रही सरकार, योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने स्वयं पहुंचे मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज बीजापुर जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र स्थित ग्राम कोण्डापल्ली पहुंचे। मुख्यमंत्री ने यहां आयोजित जनचौपाल में ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं, योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति जानी तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से मुलाकात कर उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार केवल एक प्रशासनिक अभियान नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच विश्वास को और मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और किसी भी जरूरतमंद को अपने अधिकारों एवं सुविधाओं के लिए भटकना न पड़े। इसी भावना के साथ सरकार स्वयं गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रही है और उनके समाधान का प्रयास कर रही है। जनचौपाल के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा हितग्राहियों को वनाधिकार मान्यता पत्र, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री आवास योजना, श्रम कार्ड, किसान हितग्राही योजनाओं सहित विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ वितरित किए। उन्होंने लाभार्थियों से चर्चा कर योजनाओं के प्रभाव और उनके अनुभवों की जानकारी भी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों से प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी योजना की वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी जब उसका लाभ पात्र व्यक्ति तक सही समय पर पहुंचे और आमजन को शासन की संवेदनशीलता का अनुभव हो। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है तथा क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर सहित प्रदेश के दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में विकास की नई धारा पहुंचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न, कलेक्टर महोबे ने नागरिकों का किया आभार

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जनगणना 2027 हमारे देश का एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान है, जो केवल आंकड़ों का संकलन नहीं बल्कि भविष्य के भारत और हमारे राज्य व जिले के विकास की ठोस नींव तैयार करने का कार्य करेगा। भारत की जनगणना 2027 का कार्य राज्य में दो चरणों में संपादित किया जा रहा है। प्रथम चरण (फेस-1) यथा मकानसूचीकरण एवं मकानों के गणना का फील्ड कार्य 01 मई 2026 से प्रारम्भ होकर 30 मई 2026 को सफ्लतापूर्वक संपादित हो गया है। द्वितीय चरण, जनसंख्या गणना का कार्य फरवरी 2027 में संपादित किया जाएगा। प्रथम चरण मकानसूचीकरण का कार्य, द्वितीय चरण जनसंख्या गणना कार्य के लिए एक फ्रेम प्रदान करती है, जिससे कि द्वितीय चरण, जनसंख्या गणना कार्य के दौरान कोई भी मकान एवं उसमें रहने वाले परिवार गणना से न छूटे। प्रथम चरण मकानसूचीकरण कार्य के दौरान जिले के सभी ग्रामों एवं नगरीय क्षेत्रों में प्रगणकों के द्वारा घर-घर जाकर प्रत्येक मकान एवं उसमें निवासरत परिवारों से भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 33 प्रश्न जो कि मकानों की स्थिति, परिवारों को उपलब्ध सुविधाएं तथा परिसंपत्तियों से संबंधित थी, की जानकारी मोबाइल एप्प के माध्यम से संकलित की गई। अब यह जानकारी भारत सरकार के सर्वर में सुरक्षित रख ली गई है। प्रथम चरण मकानसूचीकरण कार्य जिला के समस्त तहसीलों, ग्रामों एवं नगरीय क्षेत्रों में कुशलता एवं शांतिपूर्वक संपादित किया गया। इस दौरान जिला के समस्त क्षेत्रों को पूर्ण रूप से कवर किया गया एवं कोई भी क्षेत्र गणना कार्य से नहीं छूटा है। प्रगणकों के द्वारा घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करने के दौरान जिले के निवासियों का अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त हुआ है।

जिले के आम नागरिकों के द्वारा जनगणना से संबंधित जो भी व्यक्तिगत जानकारी दी गई है, वह जनगणना अधिनियम 1948, तथा जनगणना नियमावली 1990, के प्रावधानों के तहत पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। संकलित किए गए इन आंकड़ों का उपयोग केवल नीति निर्माण एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए ही किया जाएगा एवं भारत सरकार के द्वारा सम्पूर्ण जनगणना प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात यथोचित समय पर इन आंकड़ों को जारी किया जाएगा।

जांजगीर चाम्पा जिले में जनगणना 2027 प्रथम चरण का कार्य 12 नगरीय निकाय एवं 9 तहसीलों के अंतर्गत 429 ग्रामों में संपादित किया गया है। इस कार्य को संपादित करने के लिए जिला में 9 ग्रामीण चार्ज एवं 12 नगरीय चार्ज बनाए गए थे। इन चाजों के अंतर्गत 1717 मकानसूचीकरण गणना ब्लॉक बनाए गए थे। जिला में इस कार्य हेतु 2079 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी, जिसमें 1 प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी, 1 जिला जनगणना अधिकारी, 1 अति. जिला जनगणना अधिकारी, 21 चार्ज अधिकारी, 21 अति. चार्ज अधिकारी, 1 मास्टर ट्रेनर्स, 41 फील्ड ट्रेनर्स, 1697 प्रगणक एवं 295 पर्यवक्षक शामिल थे।

कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी जन्मेजय महोबे ने जिले में प्रथम चरण का कार्य कुशलतापूर्वक सम्पन्न होने पर जिला के समस्त नागरिकों को इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में अपने अभूतपूर्व सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है एवं आशा व्यक्त की है, कि जनगणना 2027 के द्वितीय चरण का कार्य जो कि फरवरी 2027 में संपादित किया जाएगा, तत्समय भी ऐसा ही सहयोग प्राप्त होगा।

राजस्व की लूट, अवैध खनन में छूट!! खनिज विभाग का बढ़ावा देना या फिर खनन माफियाओं से चढ़ावा लेना?

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले में अवैध खनन को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े होने लगे हैं। क्षेत्र में लंबे समय से जारी खनन गतिविधियों और विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर लोगों के बीच चर्चाएं तेज हैं। आरोप है कि विभागीय अधिकारियों की कथित लापरवाही और ढीले रवैये के कारण प्रशासन को राजस्व का बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है। स्थानीय स्तर पर उठ रहे आरोपों के अनुसार, सारंगढ़ में पदस्थ खनिज विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली को लेकर असंतोष बना हुआ है। लोगों का कहना है कि बीते दो वर्षों में जिले में अवैध खनन और खनिज परिवहन की गतिविधियां लगातार बढ़ी हैं। इस दौरान खनिज संसाधनों के दोहन और अवैध रूप से खदान संचालन की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। आरोपों के केंद्र में सहायक खनिज अधिकारी बजरंग पैंकरा की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। क्षेत्र में यह चर्चा भी है कि जब जिले में खनिज विभाग में हीरादास भारद्वाज पदस्थ थे, तब अवैध खनन पर नियंत्रण अपेक्षाकृत सख्त माना जाता था। वहीं अब लोगों का आरोप है कि खनन माफियाओं के हौसले बढ़े हैं और कई स्थानों पर बड़े पैमाने पर अवैध खनन तथा परिवहन जारी है। हालांकि इन आरोपों पर विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। जानकारों और स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि खनिज विभाग द्वारा समय-समय पर प्रभावी निगरानी, लीज की शर्तों की समीक्षा, भंडारण अनुमति और रॉयल्टी संबंधी प्रक्रियाओं की कड़ाई से जांच की जाती, तो अवैध गतिविधियों में कमी लाई जा सकती थी। विभाग की कार्रवाई रिपोर्टों में परिवहन पर छापेमारी और जब्ती की बातें सामने आती हैं, लेकिन आरोप यह भी हैं कि बड़े पैमाने पर हो रहे कथित अवैध खनन पर अपेक्षित सख्ती दिखाई नहीं देती। मामले को लेकर यह भी कहा जा रहा है कि पूर्व जिलाधिकारी डॉ. संजय कनौजे के कार्यकाल में अवैध खनन संबंधी शिकायतें उनके संज्ञान में लाई गई थीं। वहीं वर्तमान जिला प्रशासन से भी लोग कार्रवाई की उम्मीद लगाए हुए हैं। स्थानीय स्तर पर यह सवाल लगातार उठ रहा है कि यदि अवैध खनन की शिकायतें और गतिविधियां सामने आ रही हैं, तो आखिर जिम्मेदार विभागीय अमला इस पर प्रभावी रोक लगाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहा? फिलहाल जिले में अवैध खनन को लेकर चर्चाएं और आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन और खनिज विभाग इन गंभीर सवालों पर क्या रुख अपनाते हैं और अवैध खनन तथा राजस्व नुकसान के आरोपों पर क्या ठोस कार्रवाई सामने आती है।

योजनाओं के क्रियान्वयन और विकास कार्यों की कलेक्टर ने की समीक्षा

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू की अध्यक्षता में जिले में योजनाओं के क्रियान्वयन, प्रगतिरत कार्यों, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन और सुशासन तिहार शिविर से प्राप्त आवेदनों की समीक्षा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में की गई। इसमें पुल पुलिया, सड़क, विद्युत, पेयजल, वन अधिकार पत्र, पीएम आवास योजना ग्रामीण, पीएम किसान सम्मान निधि, आयुष्मान कार्ड, आयुष्मान वय वंदना कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, नक्शा बटानकन, राशन कार्ड, गिरदावरी जांच, नजूल भूमि, एग्रिस्टेक में किसान पंजीयन, धरती आबा, जल जीवन मिशन, मल्टीविलेज जल आवर्धन, महतारी वंदन ईकेवायसी, जिले के हॉस्पिटल, स्वास्थ्य, जीवनदीप समिति, गर्मी ऋतु के दौरान जिले में पानी की कमी क्षेत्र में जलापूर्ति, पीएमजीएसवाई, किसानों के लिए खाद बीज भंडारण, सहकारी समितियों में मांग और पूर्ति, पेंशन, स्कूल, कॉलेज, छात्रावास, आंगनबाड़ी, अनुकंपा नियुक्ति, क्रेडा से सोलर हाइ मस्ट लाइट, डीएमएफ आदि बिंदुओं पर अधिकारियों से कलेक्टर ने चर्चा कर विकास कार्यों का समीक्षा किया। इस अवसर पर जिले के अधिकारीगण उपस्थित थे।

रायगढ़ विधायक एवं वित्तमंत्री ओपी चौधरी का जन्मदिवस श्रमिक चौक में उत्साहपूर्वक मनाया गया

रायगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ सरकार के वित्तमंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी के जन्मदिवस के अवसर पर शहर के श्रमिक चौक में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रमिकों ने एकत्र होकर केक काटकर उनका जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उपस्थित लोगों ने वित्तमंत्री ओपी चौधरी के नेतृत्व, विकास कार्यों तथा श्रमिक हितों के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। श्रमिकों ने कहा कि रायगढ़ के विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जन्मदिवस समारोह में श्रमिकों ने केक काटने के साथ एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद महिला श्रमिकों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई और वित्तमंत्री के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर जनसेवा के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्रमिक चौक में आयोजित इस कार्यक्रम ने सामाजिक एकता और जनप्रतिनिधि के प्रति जनता के स्नेह को भी प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह उत्सवमय रहा और श्रमिकों ने सामूहिक रूप से वित्तमंत्री ओपी चौधरी के जन्मदिवस को यादगार बनाने में योगदान दिया।

समारोह के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने प्रदेश की खुशहाली, रायगढ़ के निरंतर विकास तथा वित्तमंत्री ओपी चौधरी के सफल एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उन्हें जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

जगदलपुर में नशे के कारोबार पर बस्तर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 54 हजार रुपये से अधिक की नशीली कैप्सूल जब्त

जगदलपुर /मूक पत्रिका

बस्तर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल की अवैध बिक्री करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 54,400 रुपये मूल्य की 136 नग नशीली कैप्सूल जब्त की गई हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बोधघाट थाना क्षेत्र में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि नया बस स्टैंड जगदलपुर के पीछे एक युवक नशीली कैप्सूल बिक्री करने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। रेड कार्रवाई के दौरान पुलिस ने संदेही युवक को घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम बंटू चौहान (27 वर्ष), निवासी अडावाल खासपारा बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से Pyeevon Spas Plus Tramadol HCL Capsules के 17 पत्ते, कुल 136 नग कैप्सूल बरामद हुए, जिनकी अनुमानित कीमत 54,400 रुपये बताई गई है। आरोपी नशीली दवाओं के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(क) के तहत अपराध दर्ज कर मादक पदार्थ जब्त किया और आरोपी को गिरफ्तार कर विशेष एनडीपीएस न्यायालय जगदलपुर में पेश किया। बस्तर पुलिस ने कहा है कि युवाओं को नशे की ओर धकेलने वाले तत्वों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे कारोबार में लिप्त लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम

इस कार्रवाई में निरीक्षक टामेश्वर चौहान, उप निरीक्षक ललित नेगी, लोकेश्वर नाग, सहायक उप निरीक्षक सतीश श्रीवास्तव, प्रधान आरक्षक अहिलेश नाग, सुनील मनहर, व्यास नारायण, डोलामनी भोई, लखेश्वर बघेल सहित थाना बोधघाट के अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लोधिया के सील पेट्रोल पंप पर स्टॉक खत्म बोर्ड लगाने से विवाद, विरोध के बाद हटाया गया बोर्ड...!

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

डभरा (लोधिया) स्थित यशदेव किसान सेवा केंद्र पेट्रोल पंप एक बार फिर चर्चा में आ गया है। डीजल अनियमितता के मामले में प्रशासन द्वारा पेट्रोल पंप सील किए जाने के बाद अब वहां ÷स्टॉक खत्म÷ का बोर्ड लगाए जाने को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया।

जानकारी के अनुसार प्रशासन ने पेट्रोल पंप को सील करते हुए पहुंच मार्ग पर बाकायदा बैरिकेडिंग लगाई थी, ताकि आम लोगों को स्पष्ट रूप से जानकारी मिल सके कि उक्त पेट्रोल पंप से फिलहाल ईंधन उपलब्ध नहीं होगा। लेकिन इसी बैरिकेडिंग में पंप संचालक द्वारा ÷स्टॉक खत्म÷ का बोर्ड लगा दिया गया, जिसे लेकर स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने आपत्ति जताई। स्थानीय सरपंच और जनप्रतिनिधियों का कहना था कि जब पेट्रोल पंप प्रशासनिक कार्रवाई के तहत सील किया गया है, तब ÷स्टॉक खत्म÷ का बोर्ड लगाना लोगों को गुमराह करने जैसा है। उनका आरोप था कि इससे आम जनता के बीच गलत संदेश जा रहा था और सील कार्रवाई की वास्तविक स्थिति छिपाने का प्रयास दिखाई दे रहा था। मामले की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद जिला खाद्य अधिकारी गणेश कुर्रे ने स्पष्ट किया कि सील किए गए पेट्रोल पंप में ÷स्टॉक खत्म÷ का बोर्ड लगाया जाना अनुचित है। जानकारी मिलने पर पंप संचालक को तत्काल बोर्ड हटाने के निर्देश दिए गए, जिसके बाद बोर्ड हटा लिया गया। फिलहाल इस पूरे घटनाक्रम को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज है और लोग सवाल उठा रहे हैं कि सील पेट्रोल पंप पर आखिर ÷स्टॉक खत्म÷ का बोर्ड लगाने की जरूरत क्यों पड़ी...?

शहीदों को श्रद्धांजलि, लोकनृत्य और देशभक्ति गीतों से सजा समारोह; बीजापुर में नक्सल विरोधी अभियानों के साथ जनसेवा में भी निभा रही अहम भूमिका

41वें स्थापना दिवस पर 85वीं वाहिनी ने दिखाई देश की सांस्कृतिक एकता

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। नयापारा स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 85वीं वाहिनी ने सोमवार को अपना 41वां स्थापना दिवस उत्साह और गरिमामय माहौल में मनाया। दिनभर चले कार्यक्रमों के दौरान शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई, खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ और शाम को आयोजित सांस्कृतिक संध्या में जवानों ने देश की विविध संस्कृति को मंच पर जीवंत कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई।

कमांडेंट सुनील कुमार राही सहित अधिकारियों और जवानों ने राष्ट्र की रक्षा में बलिदान देने वाले वीर जवानों को नमन किया। इसके बाद कमांडेंट ने क्वार्टर गार्ड पर सलामी ग्रहण की। 85वीं वाहिनी की स्थापना 1 जून 1985 को राजस्थान के अजमेर स्थित सीआरपीएफ समूह केंद्र में हुई थी। स्थापना के बाद वाहिनी ने अरुणाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, असम, त्रिपुरा और दिल्ली सहित देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकवाद, उग्रवाद और कानून-व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों का सामना करते हुए महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है। वर्ष 2008 से बीजापुर जिले में तैनात यह वाहिनी नक्सल विरोधी अभियानों में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रही है। इसके साथ ही सिविक एक्शन कार्यक्रम, चिकित्सा शिविर, खेल प्रतियोगिताएं और अन्य जनहितकारी गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय लोगों के बीच विश्वास का वातावरण बनाने का प्रयास भी कर रही है। सुरक्षा बलों और ग्रामीणों के बीच बढ़े सहयोग का असर क्षेत्र के विकास पर भी दिखाई दे रहा है। दूर-दराज के इलाकों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और बिजली जैसी सुविधाएं लगातार पहुंच रही हैं। स्थापना दिवस के अवसर पर वाहिनी मुख्यालय के

अलावा पेद्दापारा, पुसनार, हिरोली, डुमरीपालनार, कावड़गांव और मुदवेंडी स्थित कंपनी मुख्यालयों में भी खेलकूद प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। शाम को आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम समारोह का मुख्य आकर्षण रहा। जवानों ने राजस्थानी लोकनृत्य, ओडिशा का संबलपुरी नृत्य, असम का बिहू, पंजाब का भांगड़ा, दक्षिण भारतीय सांस्कृतिक नृत्य तथा बस्तर की पारंपरिक लोक संस्कृति की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। देशभक्ति गीतों और नाट्य प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम में मौजूद लोगों को ऐसा महसूस हुआ मानो देश के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक एक ही मंच पर सिमट आई हो। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उप महानिरीक्षक (ऑपरेशन) रेंज बीजापुर बी.एस. नेगी मौजूद रहे। इस अवसर पर विभिन्न वाहिनियों के कमांडेंट, उप कमांडेंट, जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

अतिथियों ने 85वीं वाहिनी के 41वें स्थापना दिवस पर कमांडेंट सुनील कुमार राही, अधिकारियों और जवानों को शुभकामनाएं देते हुए आंतरिक सुरक्षा, नक्सल विरोधी अभियानों और जनहित के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

1985 में हुई थी स्थापना, 2008 से बीजापुर में तैनात

85वीं वाहिनी का गठन 1 जून 1985 को अजमेर में हुआ था। वर्ष 2008 से यह वाहिनी बीजापुर में तैनात है। नक्सल विरोधी अभियानों के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों के लिए चिकित्सा शिविर, खेलकूद प्रतियोगिताएं और सिविक एक्शन कार्यक्रम आयोजित कर जनता और सुरक्षा बलों के बीच विश्वास बढ़ाने का काम कर रही है।

अधिकारियों को दिया गया 1076 सीएम हेल्पलाइन एंड सीएमएस का प्रशिक्षण, समय सीमा में काम नहीं हुआ या परेशानी आ रही तो कर सकेंगे 1076 में शिकायत

फील्ड अधिकारी से लेकर सचिव को सीएम कंट्रोल रूम में देना होगा 1076 में आए आवेदन का जवाब

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

नागरिकों के हक, पात्रता के बावजूद राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं हो रहा, उसे त्वरित रूप से निराकरण करने की मंशा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की है, जिसे आम आदमी तक पहुंचाने के लिए 1076 सीएम हेल्पलाइन प्रारम्भ की जा रही है। भविष्य में इसका शुभारम्भ के बाद कार्य प्रारम्भ होगा।

सीएम हेल्पलाइन में आवेदन पत्र देने के 4 माध्यम-सीएम हेल्पलाइन में आवेदन पत्र देने के 4 माध्यम है, इसमें 1076 डायल कॉल, पोर्टल, वाट्सअप पेज, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर शामिल है। इसमें जो आवेदन लिख नहीं पाते उनके लिए कॉल बैक करने का अनुरोध का भी विकल्प है, जिससे उनको कॉल बैक कर उनके आवेदन को दर्ज किया जाएगा। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू की अध्यक्षता में सुशासन एवं अभिसरण विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियो का एवं ब्लॉक लेवल के अधिकारियों के लिए वीडियो कांफ्रेंस से सीएम हेल्पलाइन 1076 एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली (सीएमएस) के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण अनुराग दीवान के द्वारा दिया गया। उन्होंने जानकारी दी कि सीएम हेल्पलाइन त्वरित शिकायत निवारण हेतु एकीकृत मंच है तथा यह गुड गवर्नेंस की दिशा में राज्य शासन का एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके माध्यम से नागरिकों की शिकायतों, सुझावों एवं समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सीएम हेल्पलाइन प्रणाली पाँच प्रमुख स्तंभों शिकायत ट्रैकिंग, समयबद्ध निवारण, नागरिक फीडबैक, पारदर्शिता एवं जवाबदेही तथा कुशल निगरानी पर आधारित है।

प्रत्येक दर्ज शिकायत को 12 अंकों का विशिष्ट टोकन क्रमांक प्रदान किया जाएगा, जिसके माध्यम से शिकायतकर्ता हर चरण में अपनी शिकायत की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकेगा। प्रशिक्षकों द्वारा शिकायत श्रेणी (कंप्लेंट कैटेगरी) की अवधारणा को विस्तार से समझाया गया। प्रत्येक श्रेणी के लिए विभाग द्वारा एल-1 से एल-4 तक के अधिकारियों की पदनामवार मैपिंग की गई है।

शिकायत निवारण हेतु निर्धारित समय-सीमा के अनुसार समय-सीमा निर्धारित की गई है। निर्धारित समय-सीमा के भीतर शिकायत का निराकरण नहीं होने पर शिकायत स्वतः अगले उच्च स्तर पर पहुंच जाएगी। नागरिकों की सुविधा हेतु शिकायत दर्ज कराने के विभिन्न माध्यम उपलब्ध कराए गए हैं, जिनमें 1076 हेल्पलाइन नंबर, वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप, जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

नागरिकों की और अधिक सुविधा हेतु सीएम हेल्पलाइन 1076 मोबाइल ऐप भी विकसित किया गया है, जिसे गूगल प्ले स्टोर एवं एप्पल स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। प्रशिक्षण में पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने, स्थिति जांचने, फीडबैक देने की प्रक्रिया, अधिकारियों को लॉगिन प्रक्रिया, प्रोफाइल अपडेट, डैशबोर्ड संचालन, लंबित शिकायतों की समीक्षा, समाधान विकल्प चयन एवं प्रतिवेदन (एटीआर) अपलोड के बारे में विस्तृत से बताया गया। फील्ड अधिकारी से सचिव को सीएम कंट्रोल रूम में 1076 में आए आवेदन का जवाब देना होगा। प्रशिक्षकों द्वारा सवालों, शंकाओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

नायब तहसीलदार से मारपीट मामले में कार्रवाई की मांग तेज, पटवारी संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन...

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

उप तहसील राजापुर, तहसील मैनपाट जिला सरगुजा में पदस्थ नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तुषार मानिक के साथ कथित मारपीट, अभद्र व्यवहार और शासकीय कार्य में बाधा के मामले को लेकर अब विरोध तेज होने लगा है। राजस्व पटवारी संघ ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। इस संबंध में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री के नाम ज्ञापन कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू को सौंपा गया है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि 27 मई 2026 को सोशल मीडिया, वीडियो और छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के पत्रों के माध्यम से यह जानकारी सामने आई कि राजापुर में पदस्थ नायब तहसीलदार तुषार मानिक के साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार और मारपीट की घटना हुई। आरोप है कि इस घटना में विधायक रामकुमार टोप्पो और उनके समर्थकों की संलिप्तता रही। संघ ने इसे न केवल एक शासकीय कर्मचारी का अपमान बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था और कानून व्यवस्था को खुली चुनौती बताया है। राजस्व पटवारी संघ का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से राजस्व कर्मचारियों में भय और असुरक्षा का माहौल बन रहा है। संघ ने स्पष्ट किया कि यदि दोषियों के खिलाफ शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति की आशंका बनी रहेगी। इसी कारण संघ ने छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ की मांगों का पूर्ण समर्थन करने की बात कही है। पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष संतोष कुमार पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि यदि प्रशासन द्वारा जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो संघ बिना पूर्व सूचना के आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। संघ ने ज्ञापन को ही आंदोलन पूर्व सूचना मानने की बात कही है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि शासन और प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है।

बैहरसरी और गाड़ाडीह में समाधान शिविर आज

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार के अंतर्गत 3 जून को जनपद पंचायत बेमेतरा के ग्राम पंचायत बैहरसरी और जनपद पंचायत साजा के ग्राम पंचायत गाड़ाडीह में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया है। यह शिविर प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक आयोजित होगा।शिविर में आम नागरिकों की समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्राप्त कर उनका त्वरित निराकरण किया जाएगा। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने एवं पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने की कार्यवाही भी की जाएगी। जिला प्रशासन ने संबंधित वार्डों के नागरिकों से निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

नगर वासियों से किये वादे हुए पूरे, मुख्यमंत्री साय ने किया आईटी पार्क का लोकार्पण

युवाओं को मिली तकनीकी विकास की बड़ी सौगात

दुर्ग/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जिले को तकनीकी विकास और रोजगार के क्षेत्र में बड़ी सौगात देते हुए सिविल लाईन्स स्थित आईटी पार्क का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल होने से पूर्व आईटी पार्क का उद्घाटन किया। सिविल लाईन्स स्थित यह आईटी पार्क लगभग 3,900 वर्ग मीटर भूमि पर निर्मित किया गया है, जिसका कुल निर्मित क्षेत्रफल 2,907.26 वर्ग मीटर है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस आईटी पार्क में 40 बड़े ऑफिस रूम, पांच बड़े हॉल, मैस सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। पूरा परिसर बाउंड्रीवॉल से घिरा हुआ है, जिसमें यहां कंपनियों के संचालन के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया गया है। देश के विभिन्न 40 आई कम्पनियों ने यहां एमओयू के मुताबिक कार्य आरंभ कर दिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आईआईटी भिलाई और प्रदेश शासन के सहयोग से इस आईटी पार्क निर्माण किया गया है। वर्तमान में 40 आई कम्पनियां कार्यरत् है तथा भविष्य में 100 कम्पनियों के साथ कार्य करने हेतु अपनी सहमति जताई है। विगत वर्ष की गई घोषणा आज आईटी के शुभारंभ के साथ पूरी हुई है। इससे युवाओं के लिए तकनीकी ज्ञान एवं विकास की राह आसान होगी।

आयुक्त ने स्थानीय पार्षद के साथ स्मृति नगर वार्ड का किया निरीक्षण

भिलाईनगर/मूक पत्रिका

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-1 नेहरू नगर अंतर्गत साफ -सफाई, अवैध प्लाटिंग, नाला सफाई सहित अन्य कार्यो का बारिकी से निरीक्षण किये। उपस्थित अधिकारियों को सफाई व्यवस्था पर जोर देते हुए अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई करने निर्देशित किये हैं। निगम आयुक्त, पार्षद मुकेश कुमार अग्रवाल के उपस्थिति में वार्ड क्रं. 02 स्मृति नगर के वार्डो का व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किये और सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने कहा गया है, जिससे स्थानीय निवासियों को स्वच्छ वातावरण मिले। बरसात में अधिक वर्षा होने से निचली जगहो पर जलभराव हो जाता है, जिससे नागरिको को परेशानी होती है, ऐसे डूबान क्षेत्र के समस्या को सुधार कराने निर्देशित किये हैं। वार्ड में ही कुछ अवैध प्लाटिंग कर नागरिको को बेच दिया गया है। खरीदीकर्ताओं द्वारा निर्माण भी किया जा रहा है, उन अवैध प्लाटिंगकर्ताओं पर कड़ी कार्रवाई करने निर्देशित किया जायजा लिये। वार्ड में साफ -सफाई गया है। समीपस्थ बरसात से पूर्व बड़े नाला की सफाई कराने कहा गया है, जिससे बरसात का पानी न रूके। स्मृति नगर में कुछ माह पूर्व नाली निर्माण किया गया है, जो अव्यवस्थित हो गया है संबंधित के खिलाफ जांच कर कार्रवाई करने कहा गया है। आनंद नगर में नया नाली निर्माण कराने के आदेश दिया गया है, जिससे नागरिको को सुविधा मिले। आयुक्त ने सड़को का जायजा लिये, कुछ स्थल में सड़क संधारण की आवश्यकता है, संधारण कराने निर्देशित किया गया है।

कलेक्टर जनदर्शन में मिला 110 आवेदन, कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए निराकरण के निर्देश

पीएम आवास के 11, पेंशन के 8, राशन कार्ड के 7 और शौचालय के 7 आवेदन

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर जनदर्शन में जिले के नागरिकों ने 110 आवेदन में सबसे ज्यादा मांग पीएम आवास के 11, पेंशन के 8, राशन के 7, शौचालय के 7 सहित सुविधा का लाभ प्राप्त करने के लिए कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू को अपना आवेदन प्रस्तुत किया है। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियो को संबंधित मांग और शिकायत का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर जनदर्शन में बरमकेला ब्लॉक के ग्राम कर्राकोट की महिलाओ ने पेयजल सुविधा बोर बोरिंग की मांग की। इसी प्रकार 8 वर्ष से बेड में महिला मरीज का आधार कार्ड अपडेट के लिए आधार ऑपरेटर को घर भेजनें की मांग, भूमिहीन योजना, दुर्घटना के जीवन ज्योति बीमा और अन्य योजना, भू अर्जन, विद्युत कनेक्शन के लिए 10 विद्युत खम्भा, नक्शा बटानकन, कब्जा हटाने, ठगी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने, मारपीट गुंडागर्दी करने वालों पर कार्यवाही, खाद को ज्यादा रेट में बेचने की शिकायत, किसानों को फार्मर आईडी के आधार पर खाद बीज देने की मांग, केसीसी लोन दिलाने, निजी भूमि से ट्रांसफार्मर हटाने आदि की मांग की गई।

पंच हटाने और सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक की शिकायत

बरमकेला ब्लॉक के ग्राम कर्राकोट की महिलाओ ने सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक की काम नहीं करने और मनमर्जी करने की शिकायत की है। इसी प्रकार मानिकपुर छोटे के वार्ड 9 के पंच को काम नहीं करने पर हटाने की शिकायत आया है।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने मचाई तबाही, तीन बाइक सवार घायल, ट्रक को पीछे से मारी टक्कर, फिर दो मोटरसाइकिलों को चपेट में लेकर डिवाइडर से टकराया

रायगढ़/मूक पत्रिका

नेशनल हाईवे बायपास रोड में स्थित महाना फैब्रिकेशन के पास सोमवार सुबह करीब 9:30 बजे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने सड़क पर अफरा-तफरी मचा दी। हादसे में तीन युवक घायल हो गए, जिनमें एक के सिर में गंभीर चोट आई है, जबकि दो युवकों के पैर में फ्रैक्चर बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों एवं उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज के अनुसार दुर्घटना की शुरुआत तब हुई जब तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर ने पहले सड़क पर चल रहे एक ट्रक के पिछले हिस्से को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और सामने से आ रही एक मोटरसाइकिल तथा ट्रैक्टर के बगल से ओड़िशा रोड की ओर जा रही दूसरी मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। अनियंत्रित ट्रैक्टर अंततः डिवाइडर से टकराकर रुका। हादसे में अमरनाथ साहू के सिर में गंभीर चोट आई, जिसके चलते उन्हें सात टांके लगाए गए हैं। वहीं चंद्रशेखर सिदार और पूरन के पैर में गंभीर चोट एवं फ्रैक्चर होने की जानकारी मिली है। घायलों की उम्र लगभग 22 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चंद्रशेखर सिदार को एक ऑर्थो अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। जबकि अमरनाथ साहू और पूरन उपचार के बाद घर लौट गए हैं। दिनदहाड़े हुई इस दुर्घटना ने एक बार फिर शहर में भारी वाहनों की तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर प्रारंभिक जानकारी सही पाई जाती है, तो दुर्घटना का मुख्य कारण ट्रैक्टर चालक की लापरवाही और तेज गति प्रतीत होती है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई किए जाने की संभावना है।

शासन की योजनाओं का मिला सीधा लाभ, नागरिकों ने सराहा प्रशासन का जनहितैषी प्रयास

नगर पंचायत नवागढ़ में आयोजित समाधान शिविर बना जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण का प्रभावी मंच

नवागढ़/मूक पत्रिका

राज्य शासन द्वारा संचालित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत नगर पंचायत नवागढ़ में आयोजित जनसमस्या निवारण एवं समाधान शिविर आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनकर उभरा। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं, मांगें एवं शिकायतें प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत कीं। शिविर में प्राप्त आवेदनों का यथासंभव मौके पर ही निराकरण किया गया। जिन प्रकरणों का तत्काल निराकरण संभव नहीं था, उनके गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध समाधान के लिए संबंधित विभागों को निर्धारित समय-सीमा के साथ प्रेषित किया गया। सभी आवेदनों का विधिवत पंजीयन कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की गई।

आमजन को मिली राहत, दफ्तरों के चक्कर लगाने से मिली मुक्ति

समाधान शिविर की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह रही कि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। विभिन्न विभागों के अधिकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध रहे, जिससे लोगों को योजनाओं, सेवाओं एवं प्रक्रियाओं की जानकारी सहजता से प्राप्त हुई। शिविर के माध्यम से पात्र हितग्राहियों तक विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ सीधे पहुंचाया गया। शिविर स्थल पर नागरिकों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। पेयजल, बैठने की व्यवस्था, सहायता काउंटर तथा विभागवार स्टॉलों के माध्यम से लोगों को त्वरित मार्गदर्शन एवं सेवाएं प्रदान की गईं। इससे समय, श्रम और संसाधनों की बचत हुई तथा नागरिकों में संतोष का वातावरण देखने को मिला।

पारदर्शी व्यवस्था और जनसंवाद को मिली मजबूती

समाधान शिविरों के माध्यम से प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता को बढ़ावा मिला है। समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया आमजन के समक्ष होने से शासन और जनता के बीच विश्वास का संबंध और अधिक सुदृढ़ हुआ है। ऐसे आयोजन नागरिकों को उनके अधिकारों, शासकीय योजनाओं एवं सुविधाओं के प्रति जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। नगर पंचायत नवागढ़ में आयोजित यह शिविर इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि प्रशासनिक संवेदनशीलता, सक्रियता और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता के साथ जमीनी स्तर पर जनसमस्याओं का प्रभावी समाधान किया जा सकता है।

हितग्राहियों को मिला विभिन्न योजनाओं का लाभ

शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। गर्भवती माताओं की गोद भराई कर उन्हें पौष्टिक आहार टोकरी भेंट की गई तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई। पात्र परिवारों को नवीन राशन कार्ड वितरित किए गए। बालिकाओं को नोनी सुरक्षा योजना अंतर्गत पंजीयन प्रपत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सामाजिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। इसके अलावा सामाजिक सुरक्षा पेंशन, खाद्य विभाग, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, नगरीय प्रशासन तथा अन्य विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी भी नागरिकों को दी गई। कई हितग्राहियों को मौके पर ही प्रमाण-पत्र, स्वीकृति पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए गए।

जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की रही सक्रिय सहभागिता

शिविर में नगर पंचायत उपाध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधि सोम ठाकुर, विशेष लहरे, हेमंत सोनकर, आसाराम ध्रुव, राहुल खुराना, संतोष ताम्रकार, तोरण निषाद, मनीष श्रीवास, जीवन सिंहा एवं भूपेंद्र जांगड़े सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने तथा समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। समाधान शिविर ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि सुशासन का वास्तविक उद्देश्य जनता तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ समाधान करना है। ऐसे आयोजन शासन की जनकल्याणकारी सोच को धरातल पर साकार करने के साथ-साथ आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं।

संपादकीय

मशीनों के भरोसे जीवन, लेकिन भरोसे की सुरक्षा कौन करेगा?

भीषण गर्मी में बढ़ता एसी का उपयोग जहां राहत देता है, वहीं तकनीकी खामी और लापरवाही इसे गंभीर खतरे में भी बदल सकती है। इसमें दोराय नहीं कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास ने मानव जीवन की राह को आसान बना दिया है। मगर तकनीक तभी सुविधाजनक होती है, जब उसे कौशल, संवेदनशीलता और सतर्कता के दायरे में रखा जाए। जरा-सी लापरवाही पर यह सुविधा कब जोखिम में बदल जाए, इसका आभास भी नहीं हो पाता है। बीते बुधवार की रात को दिल्ली के हौजखास इलाके में ऐसी ही एक घटना सामने आई, जिसमें एयर कंडीशनर यानी एसी में विस्फोट से लगी आग की वजह से सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी धनेंद्र कुमार की जान चली गई।वह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के प्रथम अध्यक्ष थे। एसी में विस्फोट किन कारणों से हुआ, यह तो जांच के बाद ही पता चल पाएगा, लेकिन सवाल है कि जिन उपकरणों को घरों में सुविधा के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, उनमें तकनीकी खराबी से पैदा होने वाले खतरे से सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? क्या ऐसी घटनाओं में जवाबदेही तय किए जाने की जरूरत नहीं है?गौरतलब है कि हर साल गर्मी में एयर कंडीशनर की वजह से हादसों का सिलसिला शुरू हो जाता है। पिछले एक माह में देश भर में एसी में विस्फोट या आग लगने से मौत की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। निस्संदेह इस तरह के उपकरणों का इस्तेमाल करते समय लोगों को भी सावधानी बरतनी चाहिए। खासकर एसी के मामले में ज्यादा सतर्कता की जरूरत होती है, क्योंकि इससे और भी कई तरह के जोखिम होते हैं।मसलन, बहुत ठंडे कमरे से अचानक तेज गर्मी में जाने से शरीर का तापमान बदल जाता है, जिससे मस्तिष्काघात का खतरा बढ़ जाता है। एयर कंडीशनर कमरे की नमी को सोख लेता है, जिससे सांस और त्वचा संबंधी विकार पैदा हो सकते हैं। यही नहीं, इस उपकरण से गैस का रिसाव होने पर बंद कमरे में दम घुटने जैसी जानलेवा स्थिति पैदा हो सकती है। यानी किसी भी तकनीकी संसाधन के उपयोग के साथ ही उनके संचालन के लिए एक मुकम्मल प्रशिक्षण भी बेहद जरूरी है।जरूरत इस बात की भी है कि ऐसे उपकरणों में तकनीकी खराबी की वजह से कोई हादसा न हो, इसके लिए सरकार की ओर से स्पष्ट नीति एवं नियम बनाए जाएं, ताकि इनके निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों से समझौता करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

रीलमय सब जग जानी

(उमेश चतुर्वेदी)

पत्रकारिता के जब भी नए माध्यम सामने आए, पुराने माध्यम के खात्मे की आशंका जताई जाती रही। हालांकि नए माध्यम के किंचित गुणों के साथ प्रतियोगिता और साम्यता बरतते हुए पुराने माध्यम ने जहां खुद को ज्यादा प्रतियोगी बनाया। हर नए माध्यम के अवतार और विकास के मूल में नई तकनीक रही है।

सियाराम मय सब जग जानी...तुलसी के लिए समूचा विश्व ही श्रीराम और सीता की तरह रहा। आज की पत्रकारिता पर जिधर भी नजर फिराएं, कुछ उसी तरह टीवी मय ही लगती है। लगता नहीं कि मीडिया की की दुनिया में अखबार भी हैं, पत्रिकाएं भी हैं, रेडियो भी है और सबसे अहम इंटरनेट भी है। दो सौ साल की हिंदी पत्रकारिता का इतिहास गरिमा के सोपानों से भरा हुआ है। नवजागरण को बढ़ावा देने, राष्ट्र निर्माण और सार्वजनिक जीवन मूल्यों की स्थापना में हिंदी पत्रकारिता ने महती भूमिका निभाई है। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से उपजी हिंदी पत्रकारिता ने स्वाधीनता की लड़ाई भी लड़ी, हिंदी भाषा और साहित्य के उत्थान का माध्यम भी बनी, लेकिन दो सौ साल की यात्रा के उपरांत बाद के वर्षों के उसके इतिहास को देखते हैं तो वह सिर्फ टीवीमय नजर आती है, टीवी से भी आगे बढ़कर वह रीलमय नजर आती है। छापे से शुरू हिंदी पत्रकारिता का यह रूप छापे और रेडियो की उपस्थिति के बावजूद आज वह रील्स के इर्द-गिर्द घूमती नजर आ रही है। टेलीविजन तक तो स्थिति ठीक थी, लेकिन उसके बाद की जब तकनीक के सहारे टीवी की दुनिया में चुपके से रील्स ने दखल देनी शुरू की तो स्थितियां बदलने लगीं। हर नई तकनीक की अपनी कुछ खासियत होती है और इसके साथ ही वह अपना चरित्र भी विकसित करती है। रील्स का जो चरित्र विकसित हुआ है, उसमें उथलापन ज्यादा है, गंभीरता कम है। इसे समझने के लिए छापा यानी प्रेस से मीडिया तक की यात्रा को गंभीरता से देखना और समझना होगा। रेडियो के आविष्कार और फिर टेलीविजन के विस्तार के पहले तक पत्रकारिता की बुनियाद में छापेखाने ही रहे। शुरूआती दौर में पत्रकारिता को प्रेस इसी वजह से कहा गया। जब तक उसकी पहचान के साथ प्रेस जुड़ा रहा, उसके प्रति विशिष्टताबोध बना रहा। टेलीविजन के विस्तार और बजरिए इंटरनेट माध्यमों की आवाजाही ने इस विशिष्टताबोध युक्त पहचान को मीडिया में रूपांतरित कर दिया है। इस यात्रा में मोटे तौर पर पत्रकारिता के दो रूप दिखते हैं। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से जन्मे छापे की पत्रकारिता कोख में मिले संस्कारों को अब तक कमोबेश अपनाए रखा है। बाद में आए रेडियो और टीवी में तकनीक भले ही प्रधान रहा,लेकिन उनके मूल में भी छापे की ही पत्रकारिता रही। इसके बावजूद तकनीक प्रधान और अत्याधुनिक माध्यम टीवी छापे की बुनियादी मूल्यों से काफी दूर दिखता है।

उदंत मार्तंड के प्रकाशक और संपादक जुगल किशोर शुक्ल हों या बंगाल गजट निकालने वाले जेम्स ऑगस्टस हिक्की, उन्हें अखबार निकालने का गहरा युगबोध था। लेकिन उन्हें पता था कि वह जो कार्य करने जा रहे हैं, वह बेहद दुष्कर है। उनके सामने संसाधनों की ही चुनौतियां ही नहीं थी, पाठक जुटाना और अपने छापे की बात उन तक पहुंचाना भी आसान नहीं था। उन्हें आभास था कि उनकी खरी बातों को तत्कालीन विदेशी सत्ता स्वीकार नहीं करेगी। संसाधनों के अभाव और सरकारी सहयोग नहीं मिलने की वजह से ही उदंत मार्तंड असमय कालकवलित हो गया। उसे संसाधन या सरकारी सहयोग इसलिए नहीं मिले, क्योंकि उसका स्वर भारतोन्मुखी था, वह हिंदी समाज के हित के हेत निकल रहा था, उसे भारतीय मूल्यों की चिंता थी और भारतीय समाज के नवजागरण में वह भागीदार बनना चाहता था। यह कहानी उदंत मार्तंड तक ही सीमित नहीं रही। बाद के दिनों में भी हिंदी में तमाम समाचार पत्र निकले और बंद होते रहे। इस लिहाज से कह सकते हैं कि हिंदी पत्रकारिता का इतिहास नवजागरण का ही इतिहास नहीं है, अखबारों के निकलने और बंद बंद होने के सिलसिले का भी इतिहास है। लेकिन इस सिलसिले में भी समानता दिखती है, पत्रों का मूल उद्देश्य भारतीय मूल्यों, स्वाधीन सोच के लिए जागरण पैदा करना और राष्ट्र हित पर खुद को तिरोहित करना ज्यादातर पत्रों के प्रकाशन के मूल में दिखता है। कह सकते हैं कि हिंदी पत्रकारिता के जीन यानी गुणसूत्र में तिरोहित होने का ही भाव रहा है। यही वजह है कि हिंदी पत्र खतरा उठाते हुए भारतीयता की बात करना और सार्वजनिक हित का सवाल उठाना अपना पुनीत कर्तव्य मानते रहे।

बेशक आज के समाचार पत्र भी सवालों के घेरे में हैं, लेकिन सवालों में आना सिर्फ अखबारी संस्थानों और उनके कर्ताधर्ताओं की सोच का ही मसला नहीं है, बल्कि उदारीकरण के बाद बढ़ी अर्थप्रधानता और पूंजी के खेल से उपजी मजबूरी भी है। फिर भी जब तुलनात्मक रूप से देखते हैं कि स्वाधीनता आंदोलन के साथ जिन मूल्यों को भारतीय समाज ने स्वीकार किया और आत्मसात किया है, उन्हें अब भी अखबारों ने ही आत्मसात कर रखा है। इनकी तुलना में टीवी की पत्रकारिता कहीं ज्यादा चंचल और चलायमान नजर आती है।

पत्रकारिता के जब भी नए माध्यम सामने आए, पुराने माध्यम के खात्मे की आशंका जताई जाती रही। हालांकि नए माध्यम के किंचित गुणों के साथ प्रतियोगिता और साम्यता बरतते हुए पुराने माध्यम ने जहां खुद को ज्यादा प्रतियोगी बनाया। हर नए माध्यम के अवतार और विकास के मूल में नई तकनीक रही है। तकनीक की एक विशेषता है, हर नई तकनीक हमेशा पुरानी के मुकाबले ज्यादा प्रभावी होती है। इस लिहाज से छापे के बाद आए रेडियो ने लोगों को ज्यादा लुभाया। लेकिन रेडियो के साथ प्रतियोगिता में छापे ने हार नहीं मानी और उसके बरक्स खुद को भी पहले तुलना में ज्यादा गतिमान बनाया, अपने कंटेंट और प्रस्तुति में विविधता और नवीनता की खोज की। इसके बाद अखबारों का प्रसार बढ़ा, रेडियो को तो वैसे ही अपनी नई तकनीक के चलते आगे बढ़ना ही था।

जब टेलीविजन ने मीडिया की दुनिया में आए, पुराने माध्यम के खात्मे की आशंका जताई जाती रही। हालांकि नए माध्यम के किंचित गुणों के साथ प्रतियोगिता और साम्यता बरतते हुए पुराने माध्यम ने जहां खुद को ज्यादा प्रतियोगी बनाया। हर नए माध्यम के अवतार और विकास के मूल में नई तकनीक रही है। तकनीक की एक विशेषता है, हर नई तकनीक हमेशा पुरानी के मुकाबले ज्यादा प्रभावी होती है। इस लिहाज से छापे के बाद आए रेडियो ने लोगों को ज्यादा लुभाया। लेकिन रेडियो के साथ प्रतियोगिता में छापे ने हार नहीं मानी और उसके बरक्स खुद को भी पहले तुलना में ज्यादा गतिमान बनाया, अपने कंटेंट और प्रस्तुति में विविधता और नवीनता की खोज की। इसके बाद अखबारों का प्रसार बढ़ा, रेडियो को तो वैसे ही अपनी नई तकनीक के चलते आगे बढ़ना ही था।

जब टेलीविजन ने मीडिया की दुनिया में अगले चरण के रूप में कदम रखा, दोनों पुराने माध्यमों के खात्मे की आशंका जताई जाने लगी। हालांकि कोई खत्म नहीं हुआ, रेडियो ने खुद के लिए नई तकनीक यानी फीक्वैंसी मॉड्युला यानी एफएम की ईजाद कर ली और अपने लिए जीवन की नई राह खोज ली तो अखबारों ने अपने पन्ने टेलीविजन के पर्दे की तरह चमकादार और दृश्यवान बनाने लगे। अखबारों पर विजुअल का प्रभाव फोटो और चित्रों के विस्तार के रूप में दिखा। इसके असर से अखबार अब भी बचे हुए हैं, रेडियो भी जिंदा है और टेलीविजन भी विस्तृत हो चुका है। लेकिन जिसे हम टेलीविजन कहते हैं, जिसमें एक पर्दा होता है, उसे चुनौती रील्स और ऐसे ही शॉर्ट वीडियो माध्यमों से मिल रही है। टेलीविजन को पहले इंटरनेट से चुनौती मिली, लेकिन बाद के दिनों इंटरनेट ने खुद में मीडिया के हर फॉर्मेट को समाहित कर लिया। इसी बीच रील्स और टिकटैक जैसे शॉर्ट फॉर्मेट आ गए और टेलीविजन को भी चुनौती मिलने लगी।

मीडिया के शुरूआती दोनों माध्यम जहां मूल्यों और संघर्ष की कशमकश वाले दौर में पैदा हुए, पले और बढ़े, इसलिए उनके चरित्र पर मूल्यों और संघर्ष का असर दिखता है। लेकिन टेलीविजन का वैश्विक प्रसार आर्थिक उदारीकरण के दौर में हुआ है। इसलिए उसने उदारीकरण की विशेषताओं को भी आत्मसात कर लिया है। उदारीकरण की पहली शर्त चमक-दमक और शोशेबाजी है। भारतीय परिदृश्य में जब टेलीविजन माध्यम विकसित हो रहा था, तब हिंदी के गंभीर पत्रकारों ने इससे दूरी बनाए रखी। उन्होंने तब इसे दोयम दर्जे का माध्यम माना और उसकी उपेक्षा की। उन्हें ऐसा लगा कि यह गंभीर पत्रकारिता का माध्यम नहीं हो सकता।

विज्ञान में निर्वात का सिद्धांत है। यानी कोई भी जगह निर्वात नहीं रह सकती, उसकी जगह भरने के लिए नई हवा आ ही जाती है। यह सिद्धांत हर जगह लागू होता है। टीवी की दुनिया से गंभीर लोगों ने दूरी बनाई तो उनकी जगह भरने के लिए वे सारे लोग आ गए, जिन्हें मुख्यधारा की पत्रकारिता स्वीकार नहीं कर रही थी। इसका असर यह हुआ कि उन्होंने गंभीरता की बजाय दृश्यों के लिए माकूल नाटकीयता को अपनाया, उन्होंने पत्रकारिता के बुनियादी मूल्यों की बजाय पारसी नौटंकी शैली की संवाद अदायगी और नाटकीयता पर जोर दिया। आज यह नाटकीयता ही भारतीय टेलीविजन की मुख्यधारा है। हालांकि जिन देशों में टीवी भारत की तुलना में कहीं ज्यादा विकसित हुआ, जहां उसका आविष्कार हुआ, वहां टेलीविजन की पत्रकारिता पर छापे की पत्रकारिता जैसी गंभीरता दिखती है, वहां के खबरिया टीवी के पर्दे नाटकीयता से युक्त नहीं हैं। भारतीय परिदृश्य में एक और तथ्य को भी याद रखा जाना चाहिए। टीवी में बड़ी पूंजी लगती है, इसलिए इस पूंजी की वापसी की गारंटी भी चाहिए होती है, नाटकीयता इस वापसी की गारंटी देती प्रतीत होती है। इसलिए यह नाटकीयता बढ़ी हुई है। इस विकास के मूल में आर्थिक उदारीकरण के साथ आए जीवन मूल्य भी हैं। आर्थिक फायदे के चलते इस माध्यम ने सनसनी को भी हथियार बना लिया है। चूंकि यह दृश्य प्रधान माध्यम है, इसलिए यहां गंभीरता और गुणों पर नहीं, खूबसूरत और प्रभावी दृश्यों पर जोर है। रील्स ने इसे और बढ़ावा ही दिया है।

इंसाफ में देरी न हो... हाईकोर्ट्स को सुप्रीम कोर्ट की नसीहत

(अभिषेक पाण्डेय)

सुप्रीम कोर्ट ने न्याय में देरी रोकने के लिए सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि सुरक्षित रखे गए फैसले तीन महीने के भीतर सुनाए जाएं। जमानत याचिकाओं पर उसी दिन या अधिकतम अगले दिन फैसला देने को कहा गया है। साथ ही, सभी निर्णय 24 घंटे के भीतर वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि न्याय प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बन सके।अदालती फैसलों में होने वाली देरी को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देश अहम हैं। इससे हाईकोर्ट में लंबित मुकदमों का बोझ कम होगा और न्याय तेजी से मिलेगा।

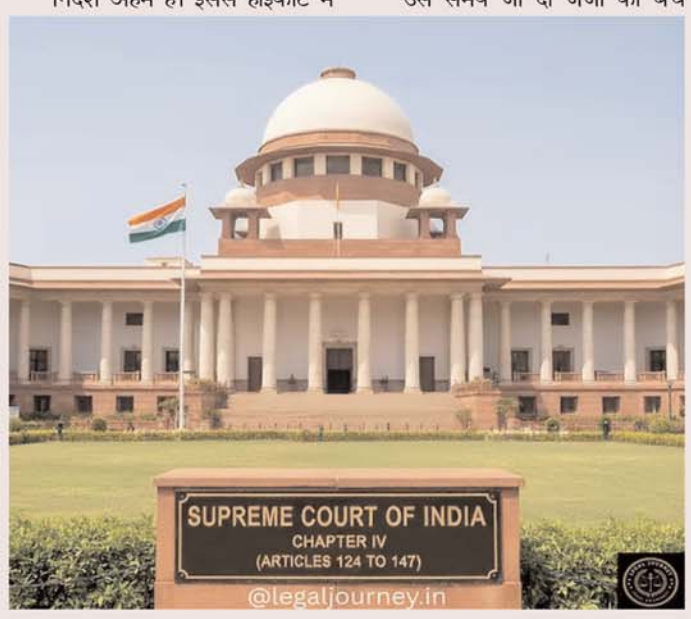

प्रक्रिया तेज होगी: चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच ने सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि आदेश सुरक्षित रखने के बाद तीन महीने के भीतर फैसला सुना दिया जाए। इसी तरह, जमानत अर्जियों पर उसी दिन आदेश सुनाया जाना चाहिए और अगर फैसला सुरक्षित रखा भी जाता है, तो वह अगले दिन सुना दिया जाए। सभी जजमेंट 24 घंटे के भीतर हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड करने का भी निर्देश दिया।

विशेष अवसर: सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए ये निर्देश दिए हैं। यह आर्टिकल पूर्ण न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट को व्यापक विवेकाधीन शक्ति देता है। यूं तो इसका इस्तेमाल विरले मौकों पर किया जाता है। लेकिन इस मामले में अनुच्छेद का उपयोग बताता है कि फैसलों में देरी किस तरह न्याय व्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही है।

समय पर हों फैसले: भारतीय अदालतों पर सबसे बड़ा आरोप यही रहा है कि यहां मुकदमे बरसों-बरस चलते रहते हैं और कई बार फैसला इतनी देरी से आता है कि उसका प्रभाव महसूस नहीं होता। ऐसे में ताजा निर्देश व्यवस्था को समयबद्ध बनाने की कोशिश है।

पुरानी चिंता: पिछले साल मई में भी सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई थी कि झारखंड हाईकोर्ट ने 67 आपराधिक अपीलों में फैसला सुरक्षित रखा है। उस समय जो दो जजों की बेंच मामले को देख रही थी, उसमें जस्टिस सूर्यकांत भी थे। अदालत ने इस घटनाक्रम को चिंताजनक बताते हुए सभी हाईकोर्ट से लंबित फैसलों की जानकारी मांगी थी और कहा था कि वह कुछ अनिवार्य दिशा-निर्देश तैयार करेगी।

आजादी सबसे अहम: इसमें जमानत का मामला बेहद संवेदनशील है। सुप्रीम कोर्ट कई मौकों पर स्पष्ट कर चुका है कि संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत मिला गरिमापूर्ण जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण है। ऐसे में यह स्वीकार नहीं किया जा सकता कि अदालत से तो जमानत मिल जाए या सजा लंबित हो जाए, लेकिन बाकी औपचारिकताओं की वजह से देरी हो। सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देशों से जल्द इंसाफ मिलने की उम्मीद बंधी है। अगर ऐसा हुआ तो इससे न्यायपालिका पर भरोसा बढ़ेगा। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

देश में अब जीवन, श्रम और बुनियादी ढांचे को एक साथ चुनौती दे रही है गर्मी

असल में गर्मी कितनी बढ़ी है, यह जानने के लिए 1981-2024 के जलवायु आंकड़ों का अध्ययन किया गया, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंच 'क्रेविस' पर उपलब्ध है। इसमें कुछ चौंकाने वाले नतीजे सामने आए। पहला, प्रत्येक चार में से तीन भारतीय ऐसे राज्यों में रहते हैं, जहां हर साल भीषण गर्मी का खतरा बना रहता है। दूसरा, बहुत अधिक गर्म दिनों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन बहुत अधिक गर्म रातों की संख्या इससे भी अधिक तेजी से बढ़ रही है। यह खासतौर पर घनी आबादी वाले जिलों और शहरी क्षेत्रों में देखा जा रहा है।

(शालू अग्रवाल)

गर्मी लोगों के जीवन, आजीविका और बुनियादी ढांचे के सभी पहलुओं को प्रभावित कर रही है। अब तक ग्यारह से अधिक राज्य इसे राज्य आपदा घोषित कर चुके हैं। सोलहवें वित्त आयोग ने भी लू को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का सुझाव दिया है।

इस समय उत्तर और मध्य भारत का एक बड़ा हिस्सा भीषण लू की चपेट में है। कई जगहों पर तापमान 44-46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। भारत जैसे देश के लिए गर्मी कोई नई बात नहीं है, लेकिन इसके साथ हमारा रिश्ता अब बदल रहा है। ऐसा इसलिए है कि इंसानों ने वैश्विक जलवायु को बदल दिया है। बीते दस साल पूरी दुनिया में अब तक के सबसे गर्म साल रहे हैं। हमने अपने आसपास की जलवायु को भी बदल दिया है। हमने अपने घर और शहर बनाने का तरीका, अपनी जीवनशैली और प्रकृति के साथ अपने रिश्ते को भी बदल दिया है। इसकी वजह से बढ़ती गर्मी के हिसाब से खुद को ढालना अब हमारे लिए और भी मुश्किल हो गया है।

असल में गर्मी कितनी बढ़ी है, यह जानने के लिए 1981-2024 के जलवायु आंकड़ों का अध्ययन किया गया, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंच 'क्रेविस' पर उपलब्ध है। इसमें कुछ चौंकाने वाले नतीजे सामने आए। पहला, प्रत्येक चार में से तीन भारतीय ऐसे राज्यों में रहते हैं, जहां हर साल भीषण गर्मी का खतरा बना रहता है। दूसरा, बहुत अधिक गर्म दिनों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन बहुत अधिक गर्म रातों की संख्या इससे भी अधिक तेजी से बढ़ रही है। यह खासतौर पर घनी आबादी वाले जिलों और शहरी क्षेत्रों में देखा जा रहा है।

वर्ष 2010 में दिल्ली में जहां हर साल सोलह बहुत गर्म रातें होती थीं, वहीं उच्च उत्सर्जन की स्थिति में वर्ष 2050 तक इनकी संख्या बढ़कर प्रतिवर्ष इक्यावन हो सकती है। इसका इंसान के स्वास्थ्य पर बहुत गंभीर प्रभाव पड़ता है। शरीर और शहर, दोनों को रात के वक्त दिन की गर्मी से राहत नहीं मिल पाती है। इससे वातानुकूलन या ठंडक देने वाली सुविधाओं के बगैर कम हवादार इमारतों में रहने या इनमें काम करने वाले लोगों पर सबसे ज्यादा असर डालता है। तीसरा, गर्मी के मौसम में उमस (आर्द्रता) बढ़ रही है। ऐसा उत्तर भारत और सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में विशेष रूप से देखा जा रहा है।

ग्यारह से अधिक राज्य इसे राज्य आपदा घोषित कर चुके हैं: गर्मी लोगों के जीवन, आजीविका और बुनियादी ढांचे के सभी पहलुओं को प्रभावित कर रही है। अब तक ग्यारह से अधिक राज्य इसे राज्य आपदा घोषित कर चुके हैं। सोलहवें वित्त आयोग ने भी लू को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का सुझाव दिया है। इस 'मूक आपदा' का प्रभावी तरीके से सामना करने में चार कदम उपयोगी साबित हो सकते हैं। सबसे पहले, शहरी प्रशासकों को गर्मी का सामना करने के लिए स्थानीय स्तर पर योजनाएं बनानी होंगी। गर्मी का असर सभी जगहों पर एक जैसा नहीं होता है। यह स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों और सामाजिक-आर्थिक और बुनियादी ढांचे की स्थितियों के अनुसार अलग-अलग होता है। इसलिए स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर योजना बनाना बहुत जरूरी है। इसका उदाहरण महाराष्ट्र का ठाणे नगर निगम है, जहां पिछले दो वर्षों से 'हीट एक्शन प्लान' लागू है।

यह योजना बताती है कि गर्मी से बचाव के लिए कब, कहां और किसे कदम उठाना है। इसके तहत ऐतिहासिक जलवायु आंकड़ों का अध्ययन करके गर्मी के जोखिम का पता लगाया गया और फिर उसके आधार पर अलग-अलग वार्डों को चिह्नित किया गया। इसके अलावा, महसूस होने वाली गर्मी और रात्रिकालीन तापमान के आधार पर प्रत्येक वार्ड में स्थानीय स्तर पर प्रारंभिक चेतावनी जारी करने के लिए तापमान की सीमा भी तय की गई।

ठाणे शहर में इस योजना को लागू करने के लिए विभिन्न विभागों का एक संयुक्त कार्यबल बनाया गया है। इसके पास अलग से बजट भी है। लू चलने पर यह कार्यबल सुनिश्चित करता है कि ठाणे शहर में निशुल्क प्याऊ लगाए जाएं, अधिक भीड़-भाड़ वाले चौराहों, जहां पर लोगों को यातायात संकेतकों की वजह से देर तक रुकना पड़ता है, वहां 'हरित छांव' की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा, प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों के जरिए वार्ड स्तर पर गर्मी से बचाव के उपायों पर जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जा सकता है। ऐसी कार्ययोजना को भीषण गर्मी की चुनौती से जूझ रहे सभी शहरों में लागू करने की जरूरत है।

दूसरा, सभी कारोबारों को अपने व्यवसाय से जुड़ी योजनाओं में गर्मी से बचाव को शामिल करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, 2030 तक गर्मी और उमस के कारण लोग ठीक से काम नहीं कर पाएंगे, यानी कामकाजी घंटों का नुकसान होगा। इससे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.5 फीसद के बराबर नुकसान हो सकता है। वर्ष 2025 में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सभी राज्यों और नियोक्ताओं को परामर्श जारी किया था। इसमें श्रमिकों, खासतौर पर खुले स्थान पर और कठिन परिश्रम करने वालों को गर्मी से बचाने वाले उपायों को लागू करने के लिए कहा गया था।

गर्मी से न केवल श्रमिकों की सेहत, बल्कि मशीनों की कार्यक्षमता, आपूर्ति श्रृंखला और पानी तथा ऊर्जा का बजट भी प्रभावित होता है। कई भारतीय कंपनियों ने इस दिशा में प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसमें गर्मी के खतरे से ज्यादा प्रभावित लोगों की पहचान की गई है। आराम के लिए छायादार जगह बनाने, लगातार पानी पीते रहने का नियम और काम करने की पालियों में बदलाव लागू किए गए हैं। ऐसे प्रयासों को तत्काल बड़े पैमाने पर लागू करने की जरूरत है।

तीसरा, बिजली कंपनियों को अपने बिजली संयंत्र और नेटवर्क को गर्मी से सुरक्षित बनाना होगा। भीषण गर्मी से बचाव में भरोसेमंद और किफायती बिजली आपूर्ति की अहम भूमिका है। हर साल लू चलने के साथ लोग बड़ी संख्या में एसी और कूलर खरीदते हैं। गर्मी, उमस और बिजली में नई मांग आने के कारण विद्युत वितरण नेटवर्क और ट्रांसफार्मर पर अचानक बोझ बढ़ जाता है। वर्ष 2025 में अत्यधिक बोझ और नमी आने के कारण लगभग दस फीसद, यानी तेरह लाख ट्रांसफार्मर खराब हो गए थे। इसके समाधान के लिए ये कदम उठाए जा सकते हैं- पहला, बिजली कंपनियों को अत्यधिक गर्मी वाले क्षेत्रों में अपने नेटवर्क को पहले से मजबूत करना चाहिए।

दूसरा, बिजली कंपनियों को बिजली की मांग का आकलन करते समय रात के समय के अधिक तापमान और एसी के अधिक इस्तेमाल को भी ध्यान में रखना चाहिए। तीसरा, बिजली की बहुत अधिक मांग एक साथ न आए, इसके लिए अलग-अलग समय के लिए अलग-अलग बिजली दरों की व्यवस्था को लागू करने जैसे सुधार करने चाहिए। चौथा, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने से भी बिजली की अतिरिक्त मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

सरकारों को सार्वजनिक और निजी निवेशों को गर्मी से बचाव के उपायों की दिशा में ले जाना होगा। साथ ही, गरीब और कमजोर वर्गों, फसलों, पशुओं, जंगलों और घरों, स्कूलों व अस्पतालों को लंबी गर्मी से बचाने के उपाय भी खोजने होंगे। प्रत्येक सरकारी योजना में गर्मी से बचाव की रणनीति को शामिल कर इसकी शुरुआत की जा सकती है, लेकिन व्यापक समाधानों को पाने के लिए निजी निवेश को शोध और विकास के साथ-साथ तापरोधी फसलों, निर्माण सामग्री और ऊर्जा कुशल शीतलन तकनीकों के व्यवसायीकरण की दिशा में मोड़ना होगा।

कोण्डापल्ली में दिखी बदलते बस्तर की नई तस्वीर, स्कूल में बच्चे ने कहा– डॉक्टर बनूंगा, पूर्व नक्सली दंपती की दुकान पर रुककर मुख्यमंत्री ने बढ़ाया हौसला

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। कभी नक्सल हिंसा के कारण सुर्खियों में रहने वाला कोण्डापल्ली गांव अब नई पहचान गढ़ रहा है। मंगलवार को सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जब इस सुदूर वनांचल गांव पहुंचे तो उनके सामने बदलते बस्तर की दो ऐसी तस्वीरें आई, जिन्होंने विकास और बदलाव की कहानी बयां कर दी। एक तरफ स्कूल में पढ़ने वाला बच्चा डॉक्टर बनने का सपना बता रहा था, तो दूसरी तरफ कभी नक्सली संगठन से जुड़े रहे मासा तामो और जयमोती अपनी छोटी-सी किराना दुकान चलाकर सम्मानजनक जीवन जीते नजर आए।

स्कूल में बच्चों से घुल-मिल गए मुख्यमंत्री

कोण्डापल्ली के प्राथमिक शाला पहुंचकर मुख्यमंत्री ने बच्चों और शिक्षकों से बातचीत की। उन्हें बताया गया कि स्कूल में 56 बच्चे पढ़ रहे हैं और यहां तीन शिक्षक पदस्थ हैं। मुख्यमंत्री ने बच्चों से पूछा कि स्कूल में यूनिफॉर्म, किताब-कॉपी और पेन मिल रहे हैं या नहीं। बच्चों ने एक साथ जवाब दिया कि उन्हें सभी सुविधाएं मिल रही हैं। बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने एक छात्र से पूछा कि बड़ा होकर क्या बनना चाहते हो। बच्चे ने बिना किसी झिझक के कहा, ÷डॉक्टर बनूंगा।÷ बच्चे का जवाब सुनकर मुख्यमंत्री मुस्कुराए और उसे खूब मन लगाकर पढ़ाई करने की सलाह दी।

जहां कभी डर था, वहां अब सपने हैं

कोण्डापल्ली जैसे गांव कभी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसते थे। शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य और संचार जैसी सुविधाएं यहां बड़ी चुनौती थीं। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। गांव में स्कूल, सड़क, बिजली और पेयजल जैसी सुविधाएं पहुंचने लगी हैं। इसका असर बच्चों की सोच और ग्रामीणों के जीवन में भी दिखाई दे रहा है।

छोटी-सी दुकान में मिली बड़ी कहानी

जनचौपाल के लिए जाते समय मुख्यमंत्री का काफिला गांव की एक किराना दुकान के सामने रुका। यह दुकान आत्मसमर्पित दंपती मासा तामो और जयमोती की थी। मुख्यमंत्री दुकान के भीतर पहुंचे और दोनों से उनके जीवन के बारे में बातचीत की। इस दौरान उन्होंने दुकान से पानी की बोतल भी खरीदी। मुख्यमंत्री ने दोनों से कहा कि आत्मनिर्भरता ही नए जीवन की सबसे बड़ी पहचान है और उनके प्रयास दूसरे लोगों के लिए भी प्रेरणा हैं।

बंदूक छोड़ मुख्यधारा में लौटे

मासा तामो वर्ष 2007 में नक्सली संगठन से जुड़ गया था। वहीं जयमोती भी पारिवारिक परिस्थितियों के चलते उसी रास्ते पर पहुंच गई थीं। संगठन में दोनों की मुलाकात हुई और वर्ष 2021 में उन्होंने विवाह कर लिया। समय के साथ दोनों ने महसूस किया कि हिंसा का रास्ता उनके भविष्य के लिए सही नहीं है। इसके बाद अक्टूबर 2025 में उन्होंने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया।

पुनर्वास योजना से मिली नई राह

आत्मसमर्पण के बाद दोनों को बीजापुर पुनर्वास केंद्र में रखा गया, जहां उन्हें अक्षर ज्ञान और कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया गया। शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़कर उनके जरूरी दस्तावेज तैयार कराए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग की सक्षम योजना के तहत जयमोती को एक लाख रुपए का ऋण मिला। इसी राशि से दोनों ने गांव में किराना दुकान शुरू की। आज दुकान से होने वाली आय से उनका परिवार चल रहा है और वे सम्मान के साथ जीवन जी रहे हैं।

बदलते बस्तर की तस्वीर है कोण्डापल्ली

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि कोण्डापल्ली में सामने आई ये कहानियां केवल कुछ लोगों की नहीं, बल्कि पूरे बस्तर में हो रहे बदलाव की तस्वीर हैं। जहां कभी गोलियों की आवाज सुनाई देती थी, वहां अब बच्चों के सपने और आत्मनिर्भरता की कहानियां सुनाई दे रही हैं।

कलेक्टर ने की जिले में प्रगतिरत सात समूह जलप्रदाय योजनाओं की समीक्षा

ओदरागहन समूह जलप्रदाय योजना से शीघ्र शुरू होगी जलापूर्ति

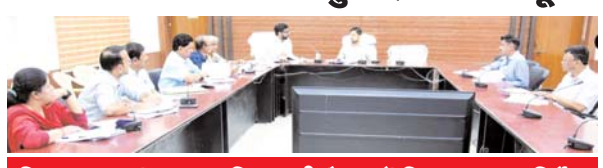

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में दिए आवश्यक निर्देश

दुर्ग/मूक पत्रिका

कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर सिंह ने जिले में संचालित विभिन्न जलप्रदाय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने जिले में प्रगतिरत 07 समूह जलप्रदाय योजनाओं की समीक्षा करते हुए कार्यों को समयबद्ध तरीके से शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि ओदरागहन समूह जलप्रदाय योजना से शीघ्र जलापूर्ति प्रारंभ की जाएगी। वहीं अंजोरा ढाबा एवं मोतिमपुर समूह योजनाओं में विद्युत कनेक्शन से जुड़े कार्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया। जल जीवन मिशन अंतर्गत निरस्त किए गए अनुबंधों के मामलों में शीघ्र नई निविदा आमंत्रित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिन एजेंसियों द्वारा कार्य पूर्ण नहीं किए जाने के कारण स्पष्टीकरण जारी किया गया है, उनके संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर आवश्यक कार्रवाई करने के को कहा। कलेक्टर ने अमलेश्वर समूह योजना में शामिल चार ग्राम- अमलेश्वर, मगरघटा, खुड़मुड़ी एवं भोथली को संबंधित स्थानीय निकाय को हस्तांतरित करने हेतु संयुक्त निरीक्षण के बाद आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि जिन ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, उनका संचालन एवं संधारण संबंधित पंचायतों द्वारा किया जाएगा। इसके लिए जिला पंचायत को नल जल मित्रों का चयन कर प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए गए।

जिले में 21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन, खिलाड़ियों को बांटे गए प्रमाण पत्र

दुर्ग/मूक पत्रिका

सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जिला-दुर्ग द्वारा आयोजित वर्ष 2026-27 के 21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का विधिवत समापन हो गया है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह प्रशिक्षण शिविर 11 मई 2026 से 31 मई 2026 तक जिले के पृथक-पृथक 17 खेल मैदानों में संचालित किया गया था, जिसमें बालक-बालिका खिलाड़ियों को फुटबॉल, वॉलीबॉल, हॉकी, एथलेटिक्स, खो-खो, कबड्डी, नेटबॉल, ताईक्वांडो एवं कुश्ती जैसे विभिन्न खेलों का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस शिविर के अंतर्गत फुटबॉल खेल का समापन के.डी. पब्लिक स्कूल बोरसी के खेल मैदान में आयोजित किया गया, जहाँ समापन समारोह के मुख्य अतिथि भूषण साहू (संचालक, के.डी. पब्लिक स्कूल बोरसी), अलबियुस एक्का (सहायक संचालक, खेल एवं युवा कल्याण, जिला-दुर्ग) तथा भूपेन्द्र कुमार हिरवानी (फुटबॉल प्रशिक्षक) विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह के दौरान ग्रीष्मकालीन शिविर में भाग लेने वाले सभी प्रतिभावान बालक एवं बालिका खिलाड़ियों को खेल विभाग द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा सहायक संचालक अलबियुस एक्का ने खेल की बारीकियां सीखने वाले इन बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

पाटन उपचुनाव में कांग्रेस की बड़ी जीत, उर्वशी शैलेश साहू विजयी

पाटन/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत जनपद क्षेत्र क्रमांक 04 के उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी उर्वशी शैलेश साहू ने शानदार जीत दर्ज करते हुए भाजपा के मंसूबों पर पानी फेर दिया। भाजपा द्वारा दिए गए कांग्रेस मुक्त पाटन के नारे को कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एकजुटता ने करारा जवाब दिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर उर्वशी शैलेश साहू को विजय दिलाई। पाटन क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मैं हूं भूपेश का नारा पूरी तरह सफल साबित हुआ। इस ऐतिहासिक जीत में पुर्व मुख्य मंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में पूर्व जिला पंचायत सभापति चुनाव प्रभारी मोनू साहू के नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं युवा नेता चैतन्य बघेल, कांग्रेस नेता आशीष वर्मा तथा जिला अध्यक्ष राकेश साहू के सफल मार्गदर्शन और रणनीति से कांग्रेस को यह बड़ी जीत हासिल हुई। उर्वशी साहू के पक्ष में क्षेत्र की जनता का सहानुभूति समर्थन एक बड़े वोट बैंक के रूप में सामने आया। कांग्रेस की एकजुटता और कार्यकर्ताओं की मेहनत ने यह साबित कर दिया कि पाटन में कांग्रेस की जड़ें मजबूत हैं और जनता का भरोसा कांग्रेस के साथ कायम है।

एसपी कार्यालय में हंगामा, शासकीय कार्य में बाधा, गाली-गलौज व धक्का-मुक्की, आरोपी जेल दाखिल

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में ड्यूटी पर तैनात स्टाफ के साथ अभद्रता, गाली-गलौज और धक्का-मुक्की करने वाले एक युवक को सिटी कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।आरोपी पर शासकीय कार्य में बाधा डालने और कर्मचारियों को झूठे मामले में फंसाने की धमकी देने का आरोप है। दिनांक 1 जून 2026 को दोपहर लगभग 2:30 बजे पंकज कुमार चौबे (34 वर्ष), निवासी ग्राम सेमरा, थाना नवागढ़, पुलिस अधीक्षक कार्यालय जांजगीर पहुंचा। उसने अजाक-जवाक शाखा में एक आवेदन प्रस्तुत कर तत्काल पावती देने का दबाव बनाया। ड्यूटी पर मौजूद महिला पुलिसकर्मी द्वारा आवेदन पढ़कर नियमानुसार पावती देने की बात कहने पर आरोपी भड़क गया। आरोपी ने आवेश में आकर महिला पुलिसकर्मी से कहा, तुम मेरे आवेदन को पढ़ने वाले कौन होते हो, चुपचाप रखो और पावती दो। इसके बाद उसने अश्लील गालियां देना शुरू कर दिया। हंगामा बढ़ता देख जब कार्यालय के अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचे तो आरोपी ने उनके साथ भी गाली-गलौज करते हुए धक्का-मुक्की की और झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में सिटी कोतवाली पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी के विरुद्ध धारा 221, 121(1), 132, 296 एवं 351(3) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया।थाना प्रभारी जयप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जहां उसने अपना जुर्म स्वीकार किया। इसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

मेडिकल कॉलेज वेतन, पीएफ घोटाले में लिप्त कर्मचारी को बर्खास्त कर एफआईआर करने की मांग

कांकेर/मूक पत्रिका

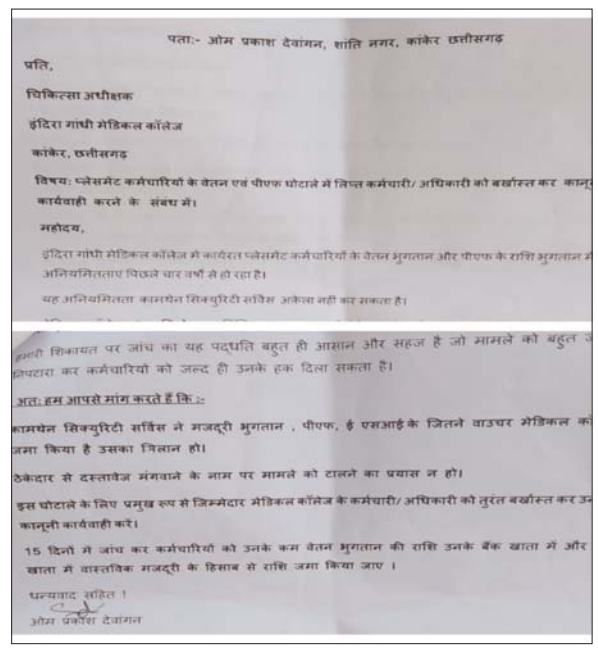

पता:- ओम प्रकाश देवांगन, शांति नगर, कांकेर छत्तीसगढ़

प्रति,

चिकित्सा अधीक्षक

इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज

कांकेर, छत्तीसगढ़

विषय: प्लेसमेंट कर्मचारियों के वेतन एवं पीएफ घोटाले में लिप्त कर्मचारी/ अधिकारी को बर्खास्त कर कानू[...] कार्यवाही करने के संबंध में।

महोदय,

इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों के वेतन भुगतान और पीएफ के राशि भुगतान में अनियमितताएं पिछले चार वर्षों से हो रहा है।

यह अनियमितता कामयेन सिक्युरिटी सर्विस अकेला नहीं कर सकता है।

[...] शिकायत पर जांच का यह पद्धति बहुत ही आसान और सहज है जो मामले को बहुत [...] निपटारा कर कर्मचारियों को जल्द ही उनके हक दिला सकता है।

अतः हम आपसे मांग करते हैं कि :-

कामयेन सिक्युरिटी सर्विस ने मजदूरी भुगतान, पीएफ, ई एसआई के जितने वाउचर मेडिकल [...] जमा किया है उसका मिलान हो।

ठेकेदार से दस्तावेज मंगवाने के नाम पर मामले को टालने का प्रयास न हो।

इस घोटाले के लिए प्रमुख रूप से जिम्मेदार मेडिकल कॉलेज के कर्मचारी/ अधिकारी को तुरंत बर्खास्त कर उ[...] कानूनी कार्यवाही करें।

15 दिनों में जांच कर कर्मचारियों को उनके कम वेतन भुगतान की राशि उनके बैंक खाता में और [...] खाता में वास्तविक मजदूरी के हिसाब से राशि जमा किया जाए।

धन्यवाद सहित !

ओम प्रकाश देवांगन

विक्रम ठाकुर /:-कांकेर स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज में प्लेसमेंट कर्मचारियों के वेतन और पीएफकी राशि में करोड़ों रुपए के घोटाला में संलिप्त मेडिकल कॉलेज का कर्मचारी या अधिकारी को बर्खास्त कर उस पर कानूनी कार्यवाही करने की मांग आज राजमिस्त्री मजदूर रेजा कुली एकता यूनियन ने चिकित्सा अधीक्षक से मिलकर किया है। एक प्रेस बयान जारी कर यूनियन के महासचिव ओम प्रकाश देवांगन ने कहा कि चार वर्ष से घोटाला मेडिकल कॉलेज के कर्मचारी, अधिकारी की साठ गांठ के बिना असंभव है। यूनियन नेता ने कहा कि मेडिकल कॉलेज कर्मचारियों का प्रधान नियोक्ता होने के नाते ठेकेदार को प्लेसमेंट कर्मचारियों का वेतन, पीएफ ई एसआई में नियोक्ता का अंशदान प्रत्येक माह भुगतान करता होता है। ठेकेदार पीएफ ई एसआई, वेतन भुगतान का वाउचर मेडिकल कॉलेज के संबंधित कर्मचारी/अधिकारी को जमा करना होता है। यूनियन नेता ने सवाल दागते हुए कहा कि चार वर्षों से ठेकेदार मेडिकल कॉलेज में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों का पीएफ वेतन में कम रकम भुगतान बिना मेडिकल कॉलेज के संबंधित कर्मचारी या अधिकारी के सांठ गांठ के कैसे कर सकता है? देवांगन ने कहा कि सरकारी राशि का गबन करने के लिए दोषी संबंधित कर्मचारी, अधिकारी को तुरंत बर्खास्त कर कानूनी कार्यवाही करने की भी मांग किया। चिकित्सा अधीक्षक ने यूनियन के मांग पर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल ने चिकित्सा अधीक्षक को नया मजदूरी दर उपलब्ध कराते हुए मांग किया कि अस्पतालों में सफाई के कार्य करने वाले कर्मचारियों को हाउस कीपिंग पद पर नियुक्त किया गया है। हाउस कीपर कुशल श्रमिक के श्रेणी में आता है। इसलिए हाउस कीपिंग कर्मियों को कुशल श्रमिक के दर पर वेतन भुगतान करने का मांग किया गया। अधीक्षक से कहा गया कि मई माह का वेतन नया वेतन दर पर भुगतान हो साथ ही अप्रैल माह का एरियर्स भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

हितग्राहियों को वितरित किए प्रमाण पत्र एवं योजना लाभ, समस्याओं के शीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

सुदूर कोण्डापल्ली में मुख्यमंत्री ने लगाई जनचौपाल, ग्रामीणों से सीधे संवाद कर जाना योजनाओं का हाल

गांव-गांव पहुंचकर योजनाओं की पड़ताल कर रही सरकार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सुशासन तिहार केवल एक अभियान नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास मजबूत करने का माध्यम है। इसके तहत सरकार दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचकर योजनाओं की जमीनी हकीकत जान रही है। साथ ही लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। कोण्डापल्ली की जनचौपाल भी इसी कड़ी का हिस्सा रही, जहां हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ देने के साथ ग्रामीणों की समस्याएं सीधे सुनी गईं।

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मंगलवार को जिले के सुदूर वनांचल ग्राम कोण्डापल्ली पहुंचे। यहां आयोजित जनचौपाल में उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और विभिन्न शासकीय योजनाओं की जमीनी स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और आम जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना तथा यह सुनिश्चित करना है कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुन रही है और उनके समाधान के लिए प्रभावी पहल कर रही है। जनचौपाल के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को वनाधिकार मान्यता पत्र, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृति पत्र, श्रम कार्ड तथा किसान हितग्राही योजनाओं से संबंधित लाभ प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों से चर्चा कर योजनाओं के लाभ और उनके प्रभाव की जानकारी भी ली। ग्रामीणों ने सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका से जुड़े मुद्दे मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि योजनाओं की सफलता का वास्तविक पैमाना यही है कि जरूरतमंद व्यक्ति तक समय पर उसका लाभ पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों में विकास की गति तेज करने के लिए प्रतिबद्ध है। सुशासन तिहार के माध्यम से शासन स्वयं लोगों के बीच पहुंचकर योजनाओं की जमीनी स्थिति का मूल्यांकन कर रहा है। कोण्डापल्ली में मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखा गया।

ग्रामीणों ने आत्मीय स्वागत करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। जनचौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भागीदारी रही। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुश्री पूर्णिमा तेलम, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, विशेष सचिव एवं आयुक्त जनसंपर्क रजत बंसल, कलेक्टर विश्वदीप, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव, जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे, अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि तथा जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

अमेरिका का ऑफर: ईरान को मिल सकता है 29 लाख करोड़ का फंड, पर एटमी प्रोग्राम पर पेच अब भी फंसा !

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-ईरान में प्रस्तावित 60 दिन के युद्धविराम समझौते के तहत ईरान को बड़े पुनर्निर्माण पैकेज की पेशकश की गई है। यदि दोनों देशों के बीच अंतिम समझौता होता है तो ईरान को 300 अरब डॉलर (करीब 29 लाख करोड़ रुपये) तक का पुनर्निर्माण कोष उपलब्ध कराया जा सकता है। अमेरिकी कंपनियों को ईरान में निवेश की अनुमति देने पर भी विचार चल रहा है। एक ईरानी अधिकारी ने इस प्रस्ताव को पुनर्निर्माण कार्यक्रम का हिस्सा बताया है। उसने कहा, अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर के बाद ईरान को आर्थिक मदद का आश्वासन दिया जाएगा। माना जा रहा है कि लंबे संघर्ष के बाद ईरानी अर्थव्यवस्था को मजबूत का यह पैकेज है।?

ईरान ने ट्रंप के दावे को किया खारिज

हालांकि ईरान ने ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि फिलहाल परमाणु मुद्दे पर कोई बातचीत नहीं चल रही है। उन्होंने संकेत दिया कि दोनों देशों के बीच वार्ता के बारे में कई दावे वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाते।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि दोनों देश

एटमी कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर समझौते के करीब पहुंच गए हैं। प्रस्तावित समझौते के तहत ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा व उच्च संवर्धित यूरेनियम का निपटान करेगा। मसौदे में होर्मुज स्ट्रेट को एक महीने के भीतर बहाल करने का है प्रस्ताव मसौदे में पश्चिम एशिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज स्ट्रेट को फिर से पूरी तरह खोलने का प्रस्ताव है। इसके तहत ईरान एक माह में समुद्री यातायात युद्ध से पहले के स्तर पर लाएगा। ईरान जलमार्ग में बिछाई गई समुद्री माइंस हटाएगा और जहाजों से किसी तरह का टोल नहीं वसूलेगा। बदले में अमेरिका अपनी नौसैनिक नाकेबंदी हटाने व प्रतिबंधों में राहत देने पर विचार करेगा। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते तथा पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेतों ने वैश्विक वित्तीय बाजारों को राहत दी है। अमेरिकी शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब पहुंच गया है, लेकिन अर्थव्यवस्था के कई प्रमुख संकेतक बताते हैं कि आम अमेरिकी परिवार अब भी बढ़ती ऊर्जा लागत, घटती वास्तविक आय और कम होती बचत की चुनौती से जूझ रहे हैं। आंच धीमी होने पर भीअमेरिकी समाज में आर्थिक असमानता को और स्पष्ट कर रहा है। युद्ध शुरू होने के बाद एसएंडपी 500 सूचकांक में 8% की गिरावट दर्ज की गई, लेकिन मार्च के अंत से इसमें 19% की तेजी आई। इससे बाजार ने शुरुआती क्षति की भरपाई की और इस वर्ष अब तक 10.7% की बढ़त हासिल कर ली है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि शेयर बाजार में तेजी का लाभ मुख्य रूप से निवेशकों और संपत्ति धारकों को मिलता है, जबकि बड़ी आबादी पर महंगाई का दबाव बना रहता है। अमेरिकी ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक एनालिसिस के आंकड़ों के अनुसार मार्च में वास्तविक डिस्पोजेबल आय 0.2% और अप्रैल में 0.5% घटी। वास्तविक डिस्पोजेबल आय महंगाई का प्रभाव समायोजित करने के बाद लोगों के पास खर्च के लिए बचती है।

फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने JEE Advanced 2026 में भिलाई के विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का उत्सव मनाया

शिक्षा कंपनी फ़िज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने Joint Entrance E&amination (JEE) Advanced 2026 में अपने विद्यार्थियों के शानदार प्रदर्शन का जश्न मनाया। भिलाई से फ़िज़िक्सवाला के उच्च प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में कुणाल देवांगन (AIR 2276), और प्रमोद यादव (AIR 2570) सहित कई अन्य छात्र शामिल रहे। परीक्षा आयोजित करने वाले Indian Institute of Technology (IIT) द्वारा जारी ऑफिशियल प्रेस रिलीज़ के अनुसार, JEE Advanced 2026 के पेपर 1 और पेपर 2 में कुल 1,79,694 अभ्यर्थी शामिल हुए, जिनमें से 56,880 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए। अलख पांडे, शिक्षक, संस्थापक एवं CEO, फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने कहा, मैं उन सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर JEE Advanced 2026 परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। जिन विद्यार्थियों को आज अपने मनचाहे परिणाम नहीं मिले हैं, उनसे मैं कहना चाहूँगा कि यह एक परीक्षा आपकी क्षमताओं या आपके भविष्य की सफलता को निर्धारित नहीं करती। सीखने की प्रक्रिया जीवनभर चलती है, और यह उसका केवल एक पड़ाव है। इसलिए आत्मविश्वास बनाए रखें, निरंतर प्रयास करते रहें और आगे आने वाले अवसरों के लिए तैयार रहें। फ़िज़िक्सवाला देशभर में ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म, हाइब्रिड केंद्रों और ऑफलाइन कोचिंग संस्थानों के माध्यम से JEE एवं NEET सहित विभिन्न कम्पेटिटिव एग्ज़ामिनेशन्स की तैयारी के साथ-साथ स्कूली शिक्षा के लिए भी शैक्षणिक सहायता प्रदान करता है। शहर में संचालित इसके ऑफलाइन विद्यापीठ केंद्र विद्यार्थियों को सुव्यवस्थित परीक्षा तैयारी, नियमित शैक्षणिक मूल्यांकन तथा डाउट रेज़ोल्यूशन जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराते हैं।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने मई 2026 में कुल 5.18 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की

HONDA

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एचएमएसआई) ने मई 2026 में कुल 5.18 लाख यूनिट्स की बिक्री की, जो मई 2025 में बेची गई 4.65 लाख यूनिट्स की तुलना में साल-दर-साल 12 प्रतिशत कीबढ़ोतरी है। मई 2026 में, घरेलू बिक्री 4.59 लाख यूनिट्स रही, जो पिछले साल इसी महीने बेची गई 4.17 लाख यूनिट्स से 10 प्रतिशत ज़्यादा है। मई 2026 में एक्सपोर्ट 0.59 लाख यूनिट्स रहा, जो मई 2025 में एक्सपोर्ट की गई 0.47 लाख यूनिट्स कीतुलना में 24 प्रतिशत ज़्यादा है। इस महीने टू-व्हीलर मार्केट में लगातार डिमांड देखी गई। अपने अलग-अलग तरहके प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और देश भर में 7,000 से ज़्यादा टचपॉइंट्स के बड़ेनेटवर्क के दम पर, एचएमएसआई कस्टमर एक्सेसिबिलिटी को मज़बूत करनाऔर मार्केट में अपनी पहुंच बढ़ाना जारी रखे हुए है।

ईरान का दावा- मार गिराया अमेरिका का एमक्यू-1 ड्रोन; ट्रंप बोले- मुझे समझौते की जल्दी नहीं

ईरान-अमेरिका तनाव बरकरार, आईआरजीसी ने अमेरिकी ड्रोन मार गिराने का दावा किया

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में छिड़े संघर्ष अब चौथे महीने में प्रवेश करने वाला है। दुनियाभर के देशों की ओर से ईरान के साथ अमेरिका-इस्राइल के बीच छिड़ी इस जंग का कूटनीतिक हल निकालने की तमाम कोशिशें बेनतीजा रही हैं। पाकिस्तान की मध्यस्थता में एक ओर ईरान और अमेरिका के बीच पर्दे के पीछे शांति समझौते की सुगबुगाहट तेज थी। हालांकि, बीते कुछ दिनों में जमीनी हालात पूरी तरह बदल गए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड की ओर से दक्षिणी ईरान में की गई ताजा सैन्य कार्रवाई ने चल रहे युद्धविराम को बेहद नाजुक मोड़ पर ला खड़ा किया है। डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी शर्तों, ईरान के पलटवार, पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों और यूएई समेत खाड़ी देशों की बढ़ती बेचैनी के बीच पश्चिम एशिया के पल-पल बदलते घटनाक्रम की जानकारी के लिए बने रहिए अमर उजाला के साथ...

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप बोले- ईरान के साथ समझौता करने की कोई जल्दी नहीं: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से बातचीत में कहा कि उन्हें ईरान के साथ समझौता करने की कोई जल्दी नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक शानदार समझौता करेगा, और अगर ऐसा नहीं हुआ तो हम वापस जाकर इसे सैन्य रूप से खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा कि वह समझौता करना पसंद करेंगे, क्योंकि इससे कई जानें बचेंगी और हम हस्ताक्षर करते ही होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोल सकते हैं। उन्होंने ईरान के नेतृत्व को बहुत सख्त वार्ताकार बताते हुए कहा कि अमेरिका धीरे-धीरे अपनी मनचाही चीजें हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा, 'इसमें काफी समय लगता है। मुझे कोई जल्दी नहीं है। अगर आप जल्दी में रहेंगे, तो आप कोई अच्छा सौदा

नहीं कर पाएंगे। धीरे-धीरे, लेकिन निश्चित रूप से, मुझे लगता है कि हमें वह मिल रहा है जो हम चाहते हैं, और अगर हमें वह नहीं मिला जो हम चाहते हैं, तो हम इसे किसी और तरीके से खत्म करेंगे। ' अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा है कि उसने गाम्बिया के झंडे वाले एक समुद्री जहाज को निष्क्रिय कर दिया, जो ईरान के एक बंदरगाह की ओर जा रहा था। सेंटकॉम ने शनिवार को सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा, 'सेंटकॉम बलों ने एम/वी लियान स्टार को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र से होकर ओमान की खाड़ी में स्थित एक ईरानी बंदरगाह की ओर जाते हुए देखा। जहाज को 20 से ज्यादा चेतावनियां दी गई और उसे बताया गया कि वह अमेरिकी नाकाबंदी का उल्लंघन कर रहा है।' बयान के अनुसार, 'जब लियान स्टार के चालक दल ने निर्देशों का पालन नहीं किया, तो एक अमेरिकी विमान ने जहाज के इंजन कक्ष पर हेलफायर मिसाइल दागकर उसे निष्क्रिय कर दिया। अब यह जहाज ईरान की ओर आगे नहीं बढ़ रहा है।' समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सेंटकॉम ने कहा कि इस नौसैनिक नाकाबंदी के दौरान अमेरिकी सेना अब तक कुल पांच वाणिज्यिक जहाजों को निष्क्रिय कर चुकी है और 116 जहाजों का रास्ता बदल चुकी है। रविवार को एक बयान में कहा कि उसने अमेरिका के एमक्यू-1 ड्रोन को मार गिराया है। यह जानकारी इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी ने दी। रिपोर्ट के अनुसार, यह ड्रोन कथित तौर पर ईरान के क्षेत्रीय जलक्षेत्र में दाखिल हुआ था। आईआरजीसी ने कहा कि ड्रोन का तुरंत पता लगा लिया गया और उसे वायु रक्षा मिसाइलों से गिरा दिया गया। इससे पहले मंगलवार को आईआरजीसी ने कहा था कि अगर अमेरिका युद्धविराम (सीजफायर) का उल्लंघन करता है, तो उसके पास जवाबी कार्रवाई करने का 'वैध और निश्चित' अधिकार सुरक्षित है। आईआरजीसी ने दावा किया था कि उसकी वायु रक्षा इकाइयों ने अमेरिका के एमक्यू-9 ड्रोन को भी मार गिराया है।

पेरिस में उपद्रव: पीएसजी की जीत के जश्न में हिंसा-आगजनी, पुलिस ने दर्जनों लोगों को हिरासत में लिया

पेरिस, एजेंसी। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) की दूसरी चैंपियंस लीग खिताबी जीत के जश्न के दौरान शनिवार देर रात हिंसा भड़कने के बाद पेरिस पुलिस ने दर्जनों लोगों को हिरासत में लिया। इस दौरान कुछ लोगों ने राजधानी में एक पुलिस थाने में घुसने की भी कोशिश की। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में खेले गए रोमांचक फाइनल में पीएसजी ने पेनाल्टी शूटआउट में आर्सेनल को हराकर खिताब अपने नाम किया। मैच समाप्त होते ही पेरिस में समर्थकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। प्रशंसक आर्क द ट्रायम्फ के आसपास की सड़कों पर जुटे। कई लोगों ने फ्लेयर जलाए और वाहनों के हॉर्न बजाए। करीब 20,000 लोग शॉम्प्स-एलिजे क्षेत्र में एकत्र हुए, जहां पुलिस भीड़ को नियंत्रित करने में जुटी रही। पेरिस पुलिस मुख्यालय के अनुसार, छोटे-छोटे समूहों ने शहर के विभिन्न हिस्सों में उपद्रव किया। कुछ लोगों ने दुकानों में तोड़फोड़ की और आगजनी की घटनाओं को अंजाम दिया। कई वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया गया।

प्रशंसकों के साथ झड़प में एक पुलिसकर्मी घायल

पुलिस ने बताया कि एक पुलिसकर्मी इस दौरान घायल हो गया। शहर के पॉश 8वें एरोंडिस्मां इलाके में स्थित एक पुलिस थाने में घुसने की कोशिश करने वाले लोगों को भी तितर-बितर कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, रात 10 बजे तक 45 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका था। पेरिस को घेरने वाली मुख्य रिंग रोड को भी कुछ समय के लिए भीड़ ने अवरुद्ध कर दिया था, लेकिन बाद में पुलिस ने रास्ता खाली करा दिया। पुलिस ने बताया कि एक बेकरी और एक रेस्तरां को भी नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने पीएसजी स्टेडियम के पास 16वें एरोंडिस्मां क्षेत्र में जुटे करीब 1,000 लोगों को भी नियंत्रित किया और साइकिलों से बनाए गए बैरिकेड हटाए।

बीते साल गिरफ्तार किए गए थे 500 से ज्यादा लोग

पिछले वर्ष मई में पीएसजी के पहले खिताब के बाद हुए जश्न के दौरान फ्रांस की राजधानी में 201 लोग घायल हुए थे और पूरे फ्रांस में 500 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इसी पृष्ठभूमि को देखते हुए इस बार पेरिस में हाई अलर्ट रखा गया था और पूरे शहर में 8,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी।

ट्रंप ने साझा की न्यूयॉर्क की गवर्नर के साथ एआई-जनरेटेड तस्वीर, सोशल मीडिया पर छिड़ गई बहस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एआई से तैयार एक नई तस्वीर साझा कर इंटरनेट पर बहस छेड़ दी है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार एक ग्राफिक साझा किया है। इस ग्राफिक में ट्रंप न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल के साथ बास्केटबॉल के मैदान में नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने यह डिजिटल तस्वीर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट की है। इस तस्वीर में दोनों नेताओं को खेल के मैदान में एक-दूसरे के सामने दिखाया गया है। यह कोई असली मुकाबला नहीं है। यह राजनीतिक विरोध को दिखाने का एक प्रतीकात्मक तरीका है। एआई से बनी यह तस्वीर सोशल मीडिया पर बहुत तेजी से वायरल हो है। इंटरनेट पर लोग इस तस्वीर के लहजे और इसके पीछे छिपे संदेश को लेकर सवाल उठा रहे हैं। कई जानकारों का मानना है कि किसी देश के शीर्ष नेता का ऐसी सामग्री साझा करना बहुत ही असामान्य बात है। इस तस्वीर के साथ ट्रंप ने एक संदेश भी लिखा है। उन्होंने कैथी होचुल को न्यूयॉर्क की एक असफल गवर्नर बताया। ट्रंप ने लोगों को सलाह दी कि अगर वे समझदार हैं, तो ब्रूस ब्लेकमैन को वोट दें। उन्होंने दावा किया कि ब्रूस ही न्यूयॉर्क को फिर से महान बनाएंगे। ट्रंप पिछले कुछ समय से लगातार ऐसी बनावटी तस्वीरें इंटरनेट पर डाल रहे हैं। पिछले एक हफ्ते में ट्रंप ने एक और डिजिटल तस्वीर साझा की थी। उस तस्वीर में वह एक गैंडे के पास खड़े थे और उनके हाथ में एक बंदूक थी। इससे पहले उन्होंने एक और बदली हुई तस्वीर पोस्ट की थी। उसमें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ओवल ऑफिस की मेज पर सिर रखकर सोते हुए दिख रहे थे। उस तस्वीर में बराक ओबामा और हिलेरी क्लिंटन पीछे खड़े होकर उन्हें देख रहे थे। ट्रंप की ये पोस्ट उनके अकाउंट से साझा किए जा रहे बनावटी मीडिया का हिस्सा हैं। कुछ महीने पहले ट्रंप की काफी आलोचना हुई थी। तब उन्होंने एआई से बनी अपनी ऐसी तस्वीरें साझा की थीं, जिनमें उन्होंने ईसाई धर्मगुरु 'पोप' जैसे कपड़े पहने थे। उस समय वेटिकन और कैथोलिक नेतृत्व को लेकर काफी बातें हो रही थीं।

जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र पर यूक्रेन का ड्रोन हमला: आईएईए ने दी चेतावनी

वियना, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हुए ड्रोन हमले को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने चेतावनी दी कि परमाणु केंद्रों पर हमले करना आग से खेलने जैसा खतरनाक काम है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि संयंत्र प्रशासन ने उन्हें ड्रोन हमले की सूचना दी है। यह ड्रोन संयंत्र की एक टर्बाइन बिल्डिंग से टकराया। इस टक्कर की वजह से इमारत की एक दीवार में छेद हो गया है। ग्रॉसी ने अपनी बात दोहराते हुए कहा कि किसी भी परमाणु केंद्र पर या वहां से किसी भी तरह का हमला नहीं होना चाहिए। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की ताकि परमाणु सुरक्षा और सुरक्षा को कोई खतरा न हो। संयंत्र में मौजूद की टीम ने नुकसान का खुद जायजा लेने के लिए प्रभावित इमारत तक जाने की अनुमति मांगी है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी है।

अप्रैल 2024 के बाद यह पहली बार है जब संयंत्र के घेरे के भीतर कोई ड्रोन हमला हुआ है। जापोरिज्जिया संयंत्र यूरोप के सबसे बड़े परमाणु केंद्रों में से एक है। मार्च 2022 से ही इस पर रूस का नियंत्रण है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से लगातार सैन्य गतिविधियों से होने वाले जोखिमों को लेकर चेतावनी दे रहा है। एजेंसी ने बार-बार परमाणु ढांचे की सुरक्षा की मांग की है। रूस की कंपनी रोसाटॉम ने शनिवार को बताया कि एक यूक्रेनी ड्रोन ने इस परमाणु संयंत्र पर हमला किया। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि मुख्य उपकरणों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। यह ड्रोन संयंत्र की यूनिट 6 के टर्बाइन आइलैंड से टकराया और वहां विस्फोट हो गया। इस हमले की जानकारी

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को दे दी गई है। हमले बेहद गैर-जिम्मेदाराना हैं। इनसे परमाणु सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा होता है। बुनियादी ढांचे पर किसी भी हमले के परिणाम खतरनाक हो सकते हैं और यह पूरे क्षेत्र की सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। इस घटना में किसी की जान नहीं गई है और न ही कोई बड़ा नुकसान हुआ है। रोसाटॉम के सीईओ एलेक्सी लिखचेव ने कहा कि यह किसी परमाणु संयंत्र के मुख्य उपकरण पर पहला सीधा हमला है।

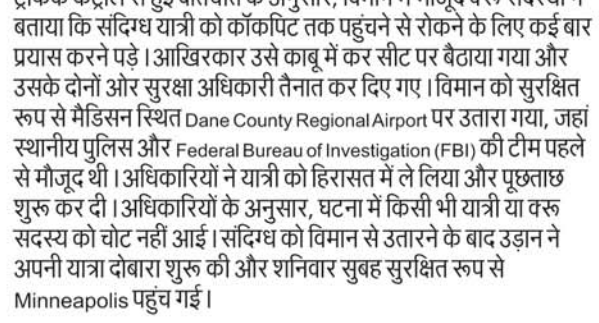

वैज्ञानिकों का नया कमाल: दर्दनाक एंडोस्कोपी की होगी छुट्टी, पेट के लिए तैयार 'स्मार्ट जासूस' हर 20 सेकंड में देगा रिपोर्ट

न्यूयार्क, एजेंसी। कल्पना कीजिए कि डॉक्टर आपको पेट की जांच के लिए एंडोस्कोपी या दर्दनाक टेस्ट की जगह सिर्फ एक छोटी सी कैप्सूल निगलने को कहें। सुनने में यह भविष्य की तकनीक लगती है, लेकिन अब यह हकीकत बनने की ओर बढ़ रही है। बेल्जियम और नीदरलैंड्स के वैज्ञानिकों ने मिलकर जीआईएसएमओ नाम की एक अत्याधुनिक तकनीक विकसित की है। यह माउथ फ्रेशनर जैसी दिखने वाली छोटी कैप्सूल है, जिसमें माइक्रोचिप, केमिकल सेंसर और वायरलेस ट्रांसमीटर लगे होते हैं।

हर 20 सेकंड में भेजेगा पेट का अपडेट-यह स्मार्ट कैप्सूल पेट और आंतों के भीतर यात्रा करते हुए वहां के रासायनिक बदलावों की निगरानी करता है। विशेष सेंसर हर 20 सेकंड में एक नई रीडिंग लेकर मरीज के शरीर के बाहर लगे रिसीवर तक जानकारी पहुंचाते हैं। इससे डॉक्टरों को एसिडिटी, संक्रमण, अल्सर, सूजन और यहां तक कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के शुरुआती संकेत भी समय रहते मिल सकते हैं।

क्यों खास है यह तकनीक? अब तक पेट की बीमारियों की जांच के लिए एंडोस्कोपी और कोलोनोस्कोपी जैसे परीक्षण किए जाते हैं, जो कई मरीजों के लिए असुविधाजनक, दर्दनाक और महंगे साबित होते हैं। करीब दो दशक पहले विकसित पिलकम तकनीक पेट की तस्वीरें तो भेज सकती थी, लेकिन पेट के भीतर होने वाली रासायनिक गतिविधियों और गैसों का विश्लेषण नहीं कर पाती थी। जीआईएसएमओ इस कमी को दूर करता है और केवल तस्वीरें ही नहीं, बल्कि जैव-रासायनिक बदलावों की भी लाइव जानकारी देता है।

खाने योग्य बैटरी भी तैयार-+ इस तकनीक की सबसे बड़ी चुनौती ऊर्जा आपूर्ति थी। इसके समाधान के लिए इटली के वैज्ञानिकों ने दुनिया की पहली रिचार्जेबल खाने योग्य बैटरी विकसित की है।इस बैटरी को विटामिन क्र2, केपर्स फल से मिलने वाले क्रेरसेटिन, एक्टिवेटेड चारकोल, समुद्री घास और मधुमक्खी के मोम जैसी प्राकृतिक सामग्रियों से बनाया गया है। वैज्ञानिकों ने टूथपेस्ट में इस्तेमाल होने वाले नीले पिगमेंट की मदद से एक खाने योग्य ट्रांजिस्टर भी तैयार किया है।

कैंसर की शुरुआती पहचान में मदद- विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में यह तकनीक पेट और आंतों से जुड़ी बीमारियों की पहचान का तरीका पूरी तरह बदल सकती है। लगातार मिलने वाले रियल-टाइम डेटा से डॉक्टर बीमारी के शुरुआती संकेत पकड़ सकेंगे, जिससे उपचार जल्दी शुरू किया जा सकेगा और मरीजों की जान बचाने की संभावना बढ़ेगी।वैज्ञानिकों के अनुसार, आने वाले वर्षों में ऐसी निगलने योग्य स्मार्ट डिवाइसें अस्पतालों में आम हो सकती हैं। इससे न केवल जांच आसान होगी बल्कि मरीजों को बार-बार दर्दनाक प्रक्रियाओं से भी नहीं गुजरना पड़ेगा।

आसमान में विमान हाईजैक की कोशिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में देर रात एक यात्री की संदिग्ध हरकत के कारण यूनाइटेड एयरलाइंस की उड़ान में अफरा-तफरी मच गई। शिकागो से मिनियापोलिस जा रही फ्लाइट को बीच रास्ते में विस्कॉन्सिन के मैडिसन एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा, जब एक यात्री ने कथित तौर पर कॉकपिट में घुसने की कोशिश की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूनाइटेड एयरलाइंस की फ्लाइट 2005 में कुल 147 यात्री और 6 क्रू सदस्य सवार थे। उड़ान के दौरान एक यात्री ने कई बार कॉकपिट तक पहुंचने की कोशिश की, जिसके बाद चालक दल और सुरक्षा कर्मियों ने उसे रोकने का प्रयास किया। एयर ट्रैफिक कंट्रोल से हुई बातचीत के अनुसार, विमान में मौजूद क्रू सदस्यों ने बताया कि संदिग्ध यात्री को कॉकपिट तक पहुंचने से रोकने के लिए कई बार प्रयास करने पड़े। आखिरकार उसे काबू में कर सीट पर बैठाया गया और उसके दोनों ओर सुरक्षा अधिकारी तैनात कर दिए गए। विमान को सुरक्षित रूप से मैडिसन स्थित Dane County Regional Airport पर उतारा गया, जहां स्थानीय पुलिस और Federal Bureau of Investigation (FBI) की टीम पहले से मौजूद थी। अधिकारियों ने यात्री को हिरासत में ले लिया और पूछताछ शुरू कर दी। अधिकारियों के अनुसार, घटना में किसी भी यात्री या क्रू सदस्य को चोट नहीं आई। संदिग्ध को विमान से उतारने के बाद उड़ान ने अपनी यात्रा दोबारा शुरू की और शनिवार सुबह सुरक्षित रूप से Minneapolis पहुंच गई।

बेंगलुरु को दोबारा चैंपियन बनाने वाले टॉप-5 फैक्टर

टीम में 8 मैच विनर; कोहली ने 675 रन बनाए, भुवनेश्वर ने 28 विकेट लिए

अहमदाबाद। 18 साल तक ट्रॉफी का इंतजार... फिर लगातार दो खिताब। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल में अपनी कहानी बदल दी है। जिस टीम को कभी 'अंडरअचीवर' कहा जाता था, वही अब लगातार दूसरी बार चैंपियन बन गई है। उसने रविवार को फाइनल में गुजरात को 5 विकेट से हराकर आईपीएल 2026 की ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

कप्तान रजत पाटीदार लगातार दो आईपीएल ट्रॉफी जीतने वाले तीसरे कप्तान बने। उनसे पहले महेंद्र सिंह धोनी (2009, 2010) और रोहित शर्मा (2019, 2020) ही ऐसा कर पाए थे।

आरसीबी की सफलता की बड़ी वजह यह रही कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रही। बल्लेबाजी में विराट कोहली, रजत पाटीदार और देवदत्त पडिक्कल ने रन बनाए। गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार, रसिख सलाम और जोश हेजलवुड ने जिम्मेदारी संभाली। टीम के 8 अलग-अलग खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच भी बने।

1. टॉप ऑर्डर ने दबाव नहीं बनने दिया

बेंगलुरु की बल्लेबाजी इस सीजन उसकी सबसे बड़ी ताकत रही। ओपनर विराट कोहली ने फाइनल में नाबाद 75 रन की पारी खेलकर टीम को चैंपियन बनाया। उन्होंने 16 मैचों में 675 रन बनाए। स्ट्राइक रेट 165.84 का रहा और एक शतक के साथ 5 अर्धशतक भी लगाए।

कप्तान रजत पाटीदार ने भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने 15 मैचों में 501 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 192.69 का रहा। देवदत्त पडिक्कल ने 464 रन बनाकर टॉप ऑर्डर को और मजबूत किया।

इन तीनों बल्लेबाजों ने मिलकर 1640 रन बनाए। वहीं वेंकटेश अय्यर ने 6 इनिंग में 209 रन बनाए। फाइनल में उन्होंने 16 बॉल पर 32 रन की पारी खेली। यही कारण रहा कि आरसीबी को पूरे सीजन में मिडिल ऑर्डर में ज्यादा दबाव नहीं झेलना पड़ा।

2. भुवनेश्वर-हेजलवुड ने संभाली गेंदबाजी

आरसीबी की बॉलिंग यूनिट इस सीजन संतुलित नजर आई। अनुभवी पेसर भुवनेश्वर कुमार ने 16 मैचों में 28 विकेट लेकर टीम को लीड किया। युवा रसिख सलाम ने 12 मैचों में 19 विकेट लेकर सभी को प्रभावित किया। जोश हेजलवुड ने सिर्फ 13 मैच खेलकर 15 विकेट लिए। जैकब डफी ने भी 6 मैचों में 9 विकेट निकालकर योगदान दिया।

स्पिन डिपार्टमेंट में क्रुणाल पंड्या ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 226 रन बनाने के साथ 14 विकेट भी लिए। वे टूर्नामेंट के सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर साबित हुए। सुयश शर्मा को जब भी मौका मिला, उन्होंने विरोधी बैटर्स पर लगाम लगाई। उन्होंने सीजन में 9 विकेट लिए।

3. अलग-अलग 8 मैच विनर

किसी भी चैंपियन टीम की पहचान

उसके मैच विनर्स होते हैं और ऋष्क्र के पास उनकी कमी नहीं थी। इस सीजन टीम के 8 अलग-अलग खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच बने।

विराट कोहली ने सबसे ज्यादा 3 बार यह अवॉर्ड जीता। जोश हेजलवुड 2 बार और टिम डेविड, जैकब डफी, वेंकटेश अय्यर, भुवनेश्वर कुमार, रजत पाटीदार और फिल सॉल्ट एक-एक बार प्लेयर ऑफ द मैच बने।

टीम की जीत सिर्फ कोहली या पाटीदार पर निर्भर नहीं रही। अलग-अलग मुकाबलों में अलग-अलग खिलाड़ियों ने जिम्मेदारी संभाली और टीम को जीत दिलाई। जब किसी एक खिलाड़ी का दिन खराब रहा, तब दूसरा टीम को जीत की मंजिल तक ले गया।

4. होमग्राउंड में 86% मैच जीते

आरसीबी ने इस सीजन अपने घरेलू मैदान को किला बना दिया। टीम ने होम ग्राउंड पर 7 में से 6 मुकाबले जीते और जीत प्रतिशत 86 रहा। पिछले सीजन टीम को घर पर 6 मैचों में 3 में हार मिली थी। 2 में जीत मिली। एक मैच बेनतीजा रहा था।

आरसीबी ने बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के अलावा रायपुर को भी अपने घरेलू मैदान के तौर पर इस्तेमाल किया और दोनों जगह शानदार प्रदर्शन किया। टीम पूरे सीजन कभी लगातार दो से ज्यादा मैच नहीं हारी।

बेंगलुरु ने अपने घर में सनराइजर्स हैदराबाद, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस जैसी मजबूत टीमों को हराया। घरेलू मैदान पर उसे सिर्फ दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार मिली।

घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने के साथ-साथ रजत पाटीदार की कप्तानी भी शानदार रही। उन्होंने परिस्थितियों और बल्लेबाजों की कमजोरी के हिसाब से गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। टीम लीग स्टेज में लगातार जीत दर्ज करती रही और प्लेऑफ में मजबूत स्थिति के साथ पहुंची।

5. कोहली के लगातार चौथे सीजन 600+ रन

विराट कोहली का शानदार फॉर्म आरसीबी की सफलता की बड़ी वजह में शामिल रहा। उन्होंने लगातार चौथे सीजन 600 से ज्यादा रन बनाए। टीम का ओपनिंग कॉम्बिनेशन पूरे सीजन बदलता रहा, लेकिन कोहली के प्रदर्शन में गिरावट नहीं आई।

ऋष्क्र के ओपनर फिल सॉल्ट चोट के कारण सिर्फ 6 मैच खेल सके। इसके बाद टीम ने जैकब बेथेल को मौका दिया, लेकिन वे 7 मैचों में सिर्फ 96 रन ही बना पाए। लीग स्टेज के आखिरी मुकाबलों और प्लेऑफ में वेंकटेश अय्यर ने कोहली के साथ पारी की शुरुआत की।

लगातार बदलते ओपनिंग पार्टनर्स के बावजूद कोहली ने लय बरकरार रखी। उन्होंने सीजन में टीम के लिए सबसे ज्यादा 675 रन बनाए। बड़े मैचों में पारी संभाली, जिससे दूसरे बल्लेबाज अटैकिंग बैटिंग करते रहे।

आरसीबी की इस खिताबी जीत ने साबित कर दिया कि आईपीएल सिर्फ स्टार खिलाड़ियों के दम पर नहीं जीता जाता। सटीक टीम कॉम्बिनेशन, कई मैच विनर, बैलेंस्ड बॉलिंग और बेहतरीन कप्तानी ही किसी टीम को चैंपियन बनाते हैं।

1. बेंगलुरु लगातार दूसरी बार आईपीएल चैंपियन; गुजरात को 5 विकेट से हराया

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लगातार दूसरी बार आईपीएल जीत लिया है। उसने रविवार को फाइनल में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। विराट कोहली ने 18वें ओवर

की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। कोहली 75 रन पर नाबाद लौटे। विराट को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पढ़ें पूरी खबर

2. चैंपियन बेंगलुरु को ?20 करोड़; गुजरात को ?12.50 करोड़ मिले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रविवार को आईपीएल का खिताब अपने नाम कर लिया। टीम लगातार दूसरे सीजन चैंपियन बनी है। उसने अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। चैंपियन बनने पर ऋष्क्र को ट्रॉफी के साथ 20 करोड़ रुपए की प्राइज मनी मिली, जबकि रनर-अप गुजरात टाइटंस को 12.5 करोड़ रुपए से संतोष करना पड़ा। पढ़ें पूरी खबर

3. रजत ने फाइनल जीतने के बाद ट्रॉफी चूम ली; कोहली को गले लगाया, सूर्यवंशी अवॉर्ड लेने पहुंचे

आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने ट्रॉफी उठाने से पहले उसे चूमकर अपनी खुशी जाहिर की। वहीं विराट कोहली ने कप्तान को गले लगाकर बधाई दी। दूसरी ओर युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी जब अपना अवॉर्ड लेने मंच पर पहुंचे, तब स्टेडियम तालियों से गूंज उठा।

आईसीसी ने क्रिकेट कनाडा की सदस्यता को सस्पेंड किया

खिलाड़ियों पर असर नहीं होगा, काउंसिल की फंडिंग से खेलेंगे टूर्नामेंट

मुंबई। आईसीसी ने क्रिकेट कनाडा की सदस्यता को सस्पेंड कर दिया है। यह फैसला कनाडा बोर्ड द्वारा सदस्यता के नियमों और जिम्मेदारियों के उल्लंघन के कारण लिया गया है।

हालांकि, आईसीसी ने स्पष्ट किया है कि बोर्ड की कमियों का खामियाजा वहां के खिलाड़ियों को नहीं भुगतना पड़ेगा। काउंसिल ने यह फैसला 1 जून को अहमदाबाद में हुई एनुअल मीटिंग में लिया।

आईसीसी टूर्नामेंटों में खेल सकेंगे खिलाड़ी

आईसीसी ने पुष्टि की है कि सस्पेंशन की अवधि के दौरान भी कनाडा की नेशनल टीमें आईसीसी टूर्नामेंटों में खेलने के लिए योग्य रहेंगी। काउंसिल का मानना है कि जिन मुद्दों पर खिलाड़ियों का कोई नियंत्रण नहीं है, उनके लिए उन्हें सजा नहीं मिलनी चाहिए।

आईसीसी मैनेजमेंट की निगरानी में मिलेगी फंडिंग

खिलाड़ियों के खेल में कोई रुकावट न आए, इसके लिए क्रिकेट कनाडा को ढ्ढष्ट की तरफ से

फंडिंग मिलती रहेगी। हालांकि, इस बार फंडिंग का तरीका पूरी तरह से आईसीसी मैनेजमेंट के नियंत्रण में होगा।यह फंड केवल मंजूर किए गए नेशनल टीम प्रोग्राम्स के लिए ही इस्तेमाल किया जा सकेगा, ताकि इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम की तैयारी और भागीदारी बिना किसी रुकावट के जारी रहे।

विवादों में घिरा है कनाडा क्रिकेट बोर्ड

क्रिकेट कनाडा पिछले कुछ समय से गवर्नेंस और ईमानदारी से जुड़े कई विवादों का सामना कर रहा है। पिछले दो सालों में बोर्ड खेल से ज्यादा विवादों के कारण चर्चा में रहा है।

इनमें से एक बड़ा मामला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए मैच से जुड़ा है, जिसकी जांच अभी भी आईसीसीकी एंटी-करप्शन यूनिट (ष्ट) कर रही है।

पूर्व हेड कोच के ऑडियो लीक से बढ़े विवाद

बोर्ड के सामने एक और बड़ी मुसीबत पूर्व हेड कोच खुर्रम चौहान से जुड़ी है। पिछले साल एक फोन बातचीत का ऑडियो रिकॉर्डिंग सामने आया था, जिसने क्रिकेट जगत में चिंताएं बढ़ा दीं। इस रिकॉर्डिंग में चौहान ने आरोप लगाया था कि क्रिकेट कनाडा के सीनियर अधिकारियों ने नेशनल स्क्वॉड में कुछ पसंदीदा खिलाड़ियों को शामिल कराने की कोशिश की थी।

इसके साथ ही बातचीत में मैचों को मैनिपुलेट (फिक्स) करने के प्रयास के आरोप भी थे, जिसके बाद आईसीसीके इंटीग्रिटी अधिकारियों ने इसकी जांच शुरू कर दी।

सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ के नये प्रारुप को लेकर आशंकाएं जतायीं

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अगले साल से लागू होने वाले विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) बैडमिंटन के नए 15-अंक के प्रारुप को लेकर उत्साहित नहीं हैं। सिंधु का मानना है कि ये थकानभरा और चुनौतीपूर्ण साबित होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु के अनुसार ये नया प्रारुप आक्रामक खिलाड़ियों के लिए ही लाभदायक रहेगा पर इससे खेल में शारीरिक और मानसिक थकान बढ़ जाएगी। गौरतलब है कि बीडब्ल्यूएफ ने हाल ही में 15 अंक वाले तीन गेम की स्कोरिंग प्रणाली को मंजूरी दी है, इसे 4 जनवरी 2027 से लागू किया जाना है। इस घोषणा के बाद से ही खिलाड़ियों के ने इस नए प्रारूप को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

सिंधु हाल ही में बीडब्ल्यूएफ 'एथलीट्स आयोग' की अध्यक्ष बनी हैं। उन्होंने पहले भी बताया है कि अधिकतर खिलाड़ी अब भी 21-अंक प्रणाली को बैडमिंटन के आकर्षण, लय और रणनीतिक गहराई के लिहाज से कही बेहतर मानते हैं। सिंधु ने नए स्कोरिंग प्रणाली पर विस्तार को लेकर कहा, 'हां, मुझे लगता है कि यह आक्रामक खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है, लेकिन आपको शुरुआत से ही तेज होना होगा। आप शुरुआत में

खुद को सेट नहीं कर सकते, तुरंत आक्रामक और तेज रहना होगा।' उन्होंने कहा, 'यह बहुत थकाऊ होगा और आपको हर समय सतर्क रहना पड़ेगा। यह मानसिक और शारीरिक रूप से बहुत थका देने वाला होगा क्योंकि आपको लगातार हर तरफ सक्रिय रहना होगा।' उनकी यह टिप्पणी इस बात पर जोर देती है कि खेल की गति और तीव्रता काफी बढ़ जाएगी, जिससे खिलाड़ियों पर लगातार दबाव बना रहेगा। हालांकि, सिंधु का मानना है कि नया प्रारूप अनुभवी खिलाड़ियों के लिए कुछ हद तक लाभदायक हो सकता है क्योंकि मैच छोटे हो जाएंगे। उन्होंने कहा, 'यह अधिक उम्र वाले खिलाड़ियों के लिए यह मददगार हो सकता है क्योंकि वे अपना करियर 2-3 साल और बढ़ाना चाहेंगे। मैच छोटे होने से फायदा मिलेगा।

चंडीगढ़ प्रीमियर लीग क्रिकेट मुकाबले 8 जून से शुरु होंगे

चंडीगढ़। चंडीगढ़ प्रीमियर लीग का चौथा संस्करण 8 जून से 26 जून 2026 तक पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में खेला जाएगा। चंडीगढ़ यूटी क्रिकेट एसोसिएशन (यूटीसीए) के अनुसार इसमें क्रिकेट प्रेमियों को अगले 18 दिनों तक रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। इस टूर्नामेंट में क्षेत्र की छह फ्रेंचाइजी आधारित टीमें ट्रॉफी के लिए भिड़ेंगी। लीग चरण में कुल 30 मुकाबले खेले जाएंगे, जिसके बाद दो सेमीफाइनल और एक फाइनल सहित कुल तीन नॉकआउट मैच होंगे, जो प्रतियोगिता के अंतिम चरण को और भी रोमांचक बनाएंगे। सभी मैच भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के दिशा-निर्देशों के अनुसार फ्लडलाइट्स की तेज रोशनी में खेले जाएंगे, जिससे मुकाबलों का आकर्षण और भी बढ़ जाएगा। इस लीग में निरंतरता बनी हुई है, जहां पिछली बार की तीन फ्रेंचाइजियां इस सत्र में भी अपनी जगह बनाए रखी हैं, जबकि क्रिकेट प्रेमियों को तीन नई टीमों को देखने का भी मौका मिलेगा, जिससे प्रतियोगिता और भी दिलचस्प होगी। प्रतिदिन दो रोमांचक मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। पहला मैच दोपहर 3 बजे से शुरू होगा, जबकि दूसरा मुकाबला शाम 7 बजे से खेला जाएगा, जिससे दर्शकों को पूरे दिन क्रिकेट का आनंद लेने का मौका मिलेगा।

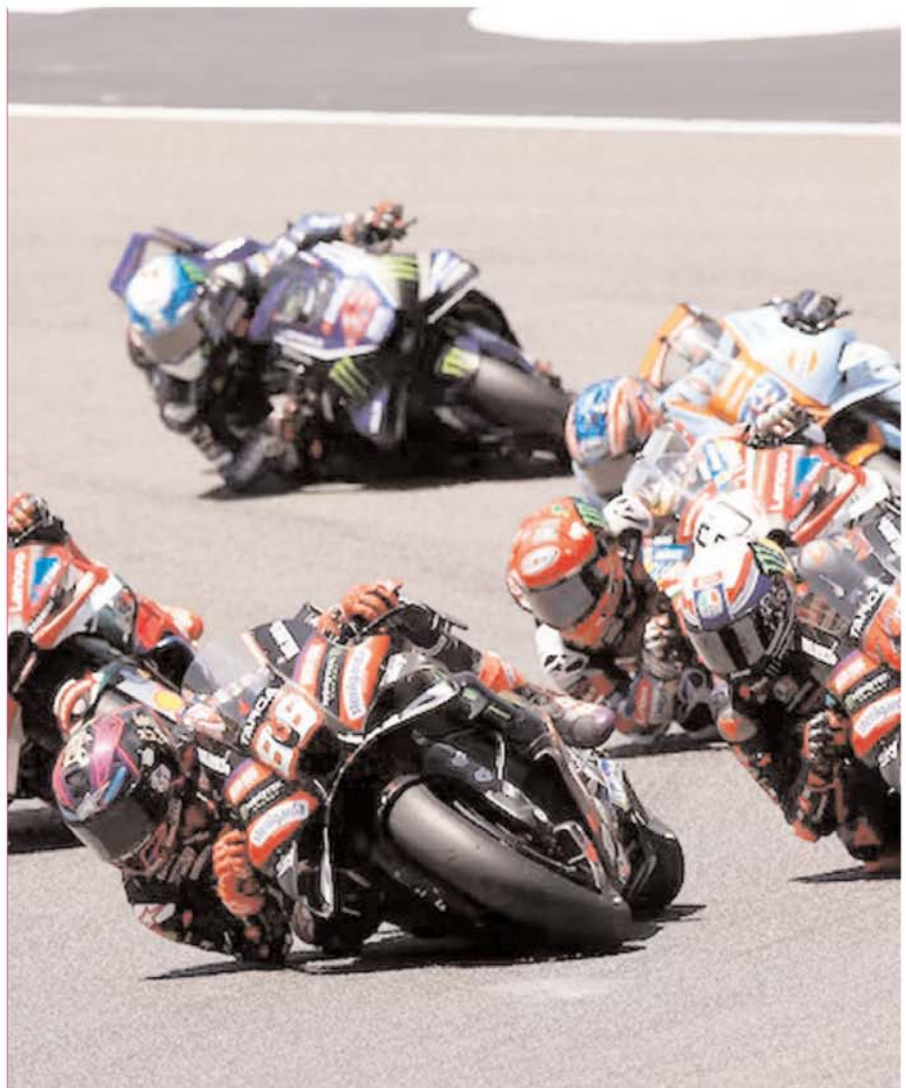

इटली में मोटो जीपी रेस में एपरीला रेसिंग के जॉर्ज मार्टिन और मार्को बिजासी सहित अन्य प्रतियोगी रेस में भाग लेते हुए।

आईसीसी ने गुलाबी गेंद के ट्रायल की मंजूरी दी; वनडे में हेड कोच मैदान पर जा सकेंगे

खराब रोशनी से टेस्ट मैच नहीं रुकेगा

टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की वजह से खेल रुकने की समस्या जल्द ही खत्म हो सकती है। दिन में होने वाले टेस्ट मैच में लाल गेंद से खेल होता है। अगर खराब रोशनी से खेल रुकता है तो दोनों की कप्तानों की सहमति से गुलाबी गेंद का इस्तेमाल हो सकेगा। गुलाबी गेंद फ्लड लाइट्स में देखी जा सकती है। लाल गेंद से फ्लड लाइट्स में खेल नहीं हो पाता है।

अहमदाबाद में सोमवार को हुई आईसीसी की सालाना बैठक में इसके ट्रायल को मंजूरी दे दी गई है। शुरुआत में यह ट्रायल कुछ ही मैचों तक सीमित रहेगा। अच्छे नतीजे मिलने पर इसे सभी टेस्ट मैचों पर लागू किया जाएगा।

आईसीसी ने इंटरनेशनल क्रिकेट से जुड़े कुछ और प्लेइंग कंडीशंस में बदलावों को मंजूरी दे दी है। सभी बदलाव 1 अक्टूबर से लागू होंगे।

नई लाइटिंग टेक्नोलॉजी पर रिसर्च की अनुमति

खराब रोशनी के कारण खेल रुकने की समस्या कम करने के लिए नई लाइटिंग टेक्नोलॉजी पर रिसर्च करने की अनुमति भी बैठक में दी गई। आईसीसी और मेरिलबोर्न क्रिकेट क्लब मिलकर नइस प्रोजेक्ट्स को फंड करेंगे।

ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान ग्राउंड पर जा सकेगा हेड कोच

अब वनडे मैचों में किसी टीम का हेड कोच ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से बातचीत कर सकेगा। पहले यह अनुमति सिर्फ टी-20 मैचों में ही थी।

अवैध एक्शन के लिए अंपायर ले सकेंगे हॉक-आई डेटा की मदद

आईसीसी ने अंपायर को अवैध गेंदबाजी एक्शन की रिपोर्ट पर विचार करते समय हॉक-आई डेटा देखने की अनुमति भी दी है। हॉक-आई कैमरा-आधारित ट्रैकिंग तकनीक है, जो कई हाई-स्पीड कैमरों की मदद से गेंद की गति और उसके रास्ते का 3ष्ठ मॉडल तैयार करती है। क्रिकेट में इसका सबसे ज्यादा उपयोग डीआरएस के तहत एलबीडब्ल्यू फैसलों में होता है, जहां यह अनुमान लगाया जाता है कि बल्लेबाज के पैड से टकराने के बाद गेंद स्टंप्स को लगती या

नहीं। इससे अंपायरों को अधिक सटीक निर्णय लेने में मदद मिलती है।

महिला क्रिकेट के लिए नए टूर्नामेंट और क्वालिफिकेशन सिस्टम

आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी 2027 की विंडो बदल दी गई है। यह टूर्नामेंट अब जून-जुलाई की जगह 14 से 28 फरवरी 2027 के बीच खेला जाएगा।

आईसीसी ने महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 को शुरू करने की मंजूरी दी है। इसमें 10 टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें पांच फुल मेंबर और पांच एसोसिएट मेंबर देश होंगे। टीमों का चयन रैंकिंग और पिछले टी-20 वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन के आधार पर होगा। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2028 के क्वालिफिकेशन सिस्टम को भी मंजूरी मिल गई है। यह टूर्नामेंट पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की मेजबानी में होगा, जबकि भारत के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाएंगे।

12 टीमों के इस टूर्नामेंट में 10 टीमों को सीधे एंट्री मिलेगी। इनमें महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की टॉप-8 टीमें, मेजबान और 6 जुलाई 2026 की रैंकिंग के आधार पर अगली टीमें शामिल होंगी। बाकी दो स्थान 10 टीमों वाले ग्लोबल क्वालिफायर से तय होंगे।

बांग्लादेश, श्रीलंका और फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर चर्चा

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के चुनावी प्रक्रिया समेत वहां की स्थिति पर चर्चा के लिए क्रिकेट साउथ अफ्रीका के डॉ. मोहम्मद मूसाजे और जिम्बाब्वे क्रिकेट के तावेंगा मुकुहलानी बांग्लादेश जाएंगे और विभिन्न पक्षों से बात करेंगे।

मनरेगा से संवर रहे गांव, रोजगार के साथ मजबूत हो रही जल संरक्षण संचय

47 हजार से अधिक ग्रामीणों को प्रतिदिन मिल रहा रोजगार

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) केवल रोजगार उपलब्ध कराने की योजना नहीं रह गई है, बल्कि यह ग्रामीण विकास और जल संरक्षण संचय का मजबूत आधार बनती जा रही है। मनरेगा के तहत चल रहे विभिन्न निर्माण एवं जल संरक्षण कार्य ग्रामीणों के लिए रोजगार और आजीविका का नया ढांचा तैयार कर रहे हैं। जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में वर्तमान में तालाब गहरीकरण, नया तालाब निर्माण, आजीविका डबरी, रिचार्ज पिट, कुआं निर्माण, बकरी एवं मुर्गी शेड तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के निर्माण कार्य से प्रगति पर हैं। इन कार्यों में प्रतिदिन 47 हजार 188 से अधिक ग्रामीण श्रमिक रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 6.92 लाख मानव दिवस का रोजगार सृजित किया जा चुका है। इससे ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि होने के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल रावटे ने बताया कि कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिले में रोजगार और जल संरक्षण को एक साथ जोड़कर कार्य किया जा रहा है। सोखता गड्ढों और रिचार्ज पिट के निर्माण को अभियान के रूप में संचालित किया जा रहा है, जिसमें ग्रामीण भी उत्साहपूर्वक भागीदारी कर रहे हैं। इसका सकारात्मक प्रभाव ग्रामीण बाजारों और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। उन्होंने बताया कि जिले की सभी ग्राम पंचायतों में पर्याप्त कार्य स्वीकृत हैं तथा ग्रामीणों की मांग के अनुरूप नए कार्य तत्काल प्रारंभ किए जा रहे हैं। प्रशासन की प्राथमिकता वर्षा ऋतु से पहले अधिकतम जल संग्रहण और जल संरक्षण कार्यों को पूर्ण करने की है, ताकि बारिश का पानी गांवों में ही संरक्षित हो सके और भू-जल स्तर में सुधार हो। मनरेगा के तहत आजीविका डबरी, नए तालाब निर्माण, तालाब गहरीकरण, खेत तालाब, रिचार्ज पिट, कुआं निर्माण तथा अन्य जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण तेज गति से किया जा रहा है। इन कार्यों से एक ओर जहां हजारों ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर भविष्य की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्थायी जल स्रोत भी विकसित किए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पहले गर्मी के दिनों में तालाब सूख जाते थे और रोजगार की तलाश में बाहर जाना पड़ता था, लेकिन अब गांव में ही रोजगार उपलब्ध होने से पलायन में कमी आई है। जल संरक्षण के कार्यों का लाभ खेती, पशुपालन और ग्रामीण आजीविका पर भी सकारात्मक रूप से दिखाई देने लगा है। मनरेगा के माध्यम से रोजगार, जल संरक्षण और ग्रामीण विकास का यह मॉडल जिले में सतत विकास की नई मिसाल बन रहा है।

219वीं बटालियन में संक्षिप्त पी0आई0 प्रशिक्षण के चतुर्थ बैच का समापन समारोह

बेमेतरा/मूक पत्रिका

आज दिनांक 02/06/2026 को 219वीं बटालियन मुख्यालय, सी.आर.पी.एफ, इंजराम में आयोजित दो सप्ताह के संक्षिप्त पी.आई. प्रशिक्षण कार्यक्रम के चतुर्थ बैच का समापन समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य कार्मिकों को आंतरिक सुरक्षा कर्तव्य, क्षेत्रीय परिस्थिति तथा सामरिक चुनौतियों के प्रति पूर्णतः तैयार करना था। समापन समारोह श्री राजेश पांडे, डीआईजी (पी), कोंटा रेंज, सी.आर.पी.एफ के मार्गदशन एवं श्री पार्थ सारथी घोष, कमान्डेन्ट 219वी वाहिनी के निर्देशन में किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त किये कार्मिकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से अर्जित ज्ञान, अनुशासन एवं सामरिक कौशल भविष्य में उन्हें चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने सभी कार्मिकों को प्रशिक्षण के दौरान प्रदर्शित उत्साह, अनुशासन एवं समर्पण की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत रेंज कोंटा की विभिन्न बटालियनों से कुल 113 कार्मिकों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण किया, जिन्हें प्रशिक्षण अवधि के दौरान आईईडी की पहचान एवं रोकथाम, हथियार संचालन, मानचित्र अध्ययन, जंगल क्षेत्रों में सामरिक मूवमेंट, विभिन्न केस स्टडी, एफओबी (स्नह्रक्च) की स्थापना तथा एस.ओ.ज़ेड (स्ह्रं) से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान कार्मिकों में टीम भावना, नेतृत्व क्षमता एवं आपसी समन्वय को सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया गया। समारोह में श्री राहुल आर, (मुख्य चिकित्सा अधिकारी), श्री अभय कुमार श्रीवास्तव, (उप कमांडेंट) तथा श्री कानाराम चौधरी (सहा. कमाण्डेंट), तथा 219वीं बटा. के सभी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

साप्ताहिक जनदर्शन में मांग एवं समस्याएं से संबंधित 91 आवेदकों ने दिया आवेदन

कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की मांग एवं समस्याओं को संवेदनशीलता से सुना। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को प्राप्त सभी आवेदनों का जांच कर आवश्यक कार्रवाई एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में विभिन्न शिकायतों एवं समस्याओं से संबंधित कुल 91 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में आज तहसील सारागांव के ग्राम कोसमंदा निवासी बलराम राठौर द्वारा राशन कार्ड से संबंधित, ग्राम देवरी निवासी राजकुमारी यादव द्वारा सीमांकन करवाने के संबंध में तहसील नवागढ़ के ग्राम उदयभांठा निवासी अमित कुमार शर्मा ने कृषि भूमि के सामने से अवैध कब्जा हटवाने के संबंध में, तहसील पामगढ़ के ग्राम मुड़पार च निवासी खोलबहरी पटेल द्वारा असंगठित कर्मकार मुत्यु दिव्यांग सहायता योजना की राशि दिलाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। जनदर्शन में पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, आधार कार्ड सुधार, अतिक्रमण हटाने, सीमांकन कराने सहित विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किये।

जिला साहू संघ बेमेतरा अध्यक्ष नारद साहू एवं साहू समाज ने ईमानदारी के प्रतीक वरिष्ठ पत्रकार आनंद प्रकाश साहू का किया भव्य सम्मान

30 लाख के जेवरात और नगदी से भरा बैग लौटाने वाले पत्रकार को साल, गुलदस्ता एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर साहू समाज ने किया गौरवान्वित

सुबह साढ़े चार बजे मिला सोना-चांदी के आभूषणों और नगदी से भरा बैग, बिना किसी लालच के तत्काल सिटी कोतवाली में कराया जमा

जिला अध्यक्ष नारद साहू बोले– ईमानदारी और नैतिकता की ऐसी मिसालें समाज को नई दिशा देती हैं, आनंद प्रकाश साहू पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला साहू संघ बेमेतरा के जिला अध्यक्ष नारद साहू एवं साहू समाज द्वारा वरिष्ठ पत्रकार आनंद प्रकाश साहू का भव्य सम्मान किया गया। उन्हें साल, गुलदस्ता एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनकी ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा एवं सामाजिक मूल्यों के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि वरिष्ठ पत्रकार आनंद प्रकाश साहू को प्रातः लगभग साढ़े चार बजे एक लावारिस बैग मिला था, जिसमें लगभग 30 लाख रुपये मूल्य के सोना-चांदी के आभूषण एवं 33 हजार रुपये नगद थे। इतनी बड़ी राशि और कीमती सामान मिलने के बावजूद उन्होंने बिना किसी लालच के उक्त बैग को तत्काल सिटी कोतवाली बेमेतरा में सुरक्षित जमा करा दिया। आनंद प्रकाश साहू के इस सराहनीय कार्य की पूरे जिले में प्रशंसा हो रही है। साहू समाज ने इसे ईमानदारी, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि ऐसे व्यक्तित्व समाज की वास्तविक पूंजी होते हैं।इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष रोहित साहू, जिला सलाहकार नारायण साहू, प्रदेश प्रतिनिधि पंचम साहू, जिला कोषाध्यक्ष रामकुमार साहू, न्याय प्रकोष्ठ संयोजक घनाराम साहू, जिला मीडिया प्रभारी ताम्रध्वज साहू सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ÷साहू समाज ने किया सम्मान, ईमानदारी बनी पहचान – आनंद प्रकाश साहू पर पूरे बेमेतरा को अभिमान।÷

अनुकम्पा प्रक्रिया में कलेक्टर ने दिया आदेश, पटवारी प्रशिक्षण में उत्तीर्ण के बाद होगी नियुक्ति

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

अनुकम्पा प्रक्रिया में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में दिनेश कुमार चौहान को पटवारी प्रशिक्षण के लिए सशर्त आदेश जारी किया है। यह आदेश, दिनेश के पिता पुनऊराम चौहान सहायक ग्रेड 2 कार्यालय कलेक्टर (भू अभिलेख शाखा) सारंगढ़ का शासकीय सेवा के दौरान 28 फ़रवरी 2026 को निधन हो जाने पर दिया गया। पटवारी पद में नियुक्ति के लिए दिनेश कुमार चौहान को पटवारी प्रशिक्षण सफलतापूर्वक अनिवार्य रूप से उत्तीर्ण करना होगा

कोतवाली पुलिस की जुआ पर बड़ी कार्रवाई, दो जगह दबिश देकर 6 जुआरी गिरफ्तार..

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले में अवैध जुआ और सट्टा के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सारंगढ़ कोतवाली पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 6 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और जुआ फड़ से कुल 7,350 रुपए नगद तथा 52 पत्ती ताश जब्त किया है। जानकारी के अनुसार जिला स्तर पर अवैध जुआ-सट्टा के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में 2 जून 2026 को मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस अनुविभागीय अधिकारी स्नेहिल साहू के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी प्रमोद यादव के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। पहली कार्रवाई सारंगढ़ के कमलानगर क्षेत्र में रंगमंच के पास की गई, जहां अमित सिदार, सुरेंद्र पटेल और जोहन निषाद ताश पत्ती से रुपए-पैसे का दांव लगाकर जुआ खेलते मिले। पुलिस ने उनके पास और जुआ फड़ से 4,550 रुपए नगद तथा ताश पत्ती जब्त की। वहीं दूसरी कार्रवाई ग्राम कुर्हा में प्राथमिक स्कूल के पास की गई, जहां सागर चौरगे, देवेंद्र कुर्रे और चंद्रशेखर चौरगे जुआ खेलते पकड़े गए। यहां से पुलिस ने 2,800 रुपए नगद और 52 पत्ती ताश बरामद किया। दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3(2) के तहत कार्रवाई कर गिरफ्तार किया गया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रमोद यादव, उपनिरीक्षक अंजान सिंह तथा आरक्षक संजय भारद्वाज और चंद्रेश सोनवानी की विशेष भूमिका रही।

बरमकेला थाना और आबकारी विभाग होश में आओ : खिचरी में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ महिलाओं का फूटा गुस्सा, सैकड़ों महिलाओं ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन..

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

आबकारी नियंत्रण कक्ष बरमकेला और थाना बरमकेला से लगे ग्राम खिचरी में अवैध शराब बिक्री को लेकर ग्रामीण महिलाओं में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। गांव में लंबे समय से खुलेआम अवैध शराब बिकने की शिकायतों के बीच सैकड़ों महिलाएं कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं और गांव में चल रहे इस कारोबार पर रोक लगाने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। महिलाओं का आरोप है कि गांव में अवैध शराब की बिक्री खुलेआम हो रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहा। ग्रामीणों का कहना है कि या तो इस कारोबार को जानबूझकर नियंत्रित नहीं किया जा रहा, या फिर सब कुछ जानते हुए भी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मूक दर्शक बने हुए हैं। यही वजह है कि गांव का माहौल लगातार बिगड़ता जा रहा है। ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि शराबखोरी के कारण परिवारों में विवाद बढ़ रहे हैं और महिलाओं को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसका असर बच्चों और युवाओं पर भी पड़ रहा है, जिससे गांव का सामाजिक वातावरण प्रभावित हो रहा है। महिलाओं ने कहा कि अब हालात ऐसे हो गए हैं कि गांव में शांति और पारिवारिक माहौल बनाए रखना मुश्किल होता जा रहा है। ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से गांव में शराबबंदी लागू करने की बात कही और शराब बेचने वाले लोगों से भी अपील की कि वे गांव के फैसले का सम्मान करते हुए शराब बनाना और बेचना बंद करें। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि अवैध कारोबार जारी रहा तो कानूनी कार्रवाई भी कराई जाएगी।

3 आरोपी गिरफ्तार, 2 विधि से संघर्षरत बालक शामिल

निर्माणाधीन मकानों से बिजली तार चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

चांपा/मूक पत्रिका

चांपा थाना पुलिस ने निर्माणाधीन मकानों को निशाना बनाकर बिजली के तार और सीसीटीवी कैमरा चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो विधि से संघर्षरत बालकों की संलिप्तता भी सामने आई है। आरोपियों के कब्जे से लगभग 8 किलो जला हुआ कॉपर वायर, बिजली वायर, 750 रुपये नकद और तार काटने का कटर बरामद किया गया है। प्रार्थी सौरव कुमार सराफ निवासी चांपा ने 1 जून 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि कोरवा पारा स्थित उनके निर्माणाधीन मकान में 31 मई की रात चोरी की घटना हुई। चौकीदार श्रवण कुमार यादव की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मकान की तलाशी के दौरान एक आरोपी को बिजली के तार और कटर के साथ रंगे हाथ पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने पहले भी उसी मकान से करीब 30 हजार रुपये के बिजली तार चोरी करना स्वीकार किया। इस मामले में थाना चांपा में धारा 331(4), 305(ए), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। दूसरे मामले में डॉ. राधेश्याम सोनी, निवासी चांपा ने शिकायत दर्ज कराई कि मारूति टाउनशिप स्थित उनके निर्माणाधीन मकान से 13 मई 2026 को सीसीटीवी कैमरा और 30 मई 2026 को बिजली के तार चोरी कर लिए गए। इस संबंध में थाना चांपा में धारा 331(4), 305(ए), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच शुरू की गई।

रात में पकड़े गए संदेही कार्तिक दास महंत से कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों ने चोरी किए गए बिजली तारों को जलाकर कॉपर वायर निकालने और उसे मदन लाल बरेठ को बेचने की बात भी कबूली। पुलिस ने 02 जून 2026 को सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। गिरफ्तार आरोपी कार्तिक दास महंत (23 वर्ष), निवासी भाठापारा, चांपा, नारायण चौहान (19 वर्ष), निवासी भाठापारा, चांपा, मदन लाल बरेठ (35 वर्ष), निवासी नयापारा, चांपा है।

सभी आरोपियों से लगभग 8 किलो जला हुआ कॉपर वायर,बिजली वायर, 750 रुपये नकद, तार काटने का कटर बरामद किया गया है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक वैष्णव के नेतृत्व में उनि सत्यम चौहान, प्रधान आरक्षक सुनील सिंह, आरक्षक ईश्वरी राठौर, श्याम राठौर, गौरीशंकर राय, वीरेश सिंह एवं थाना चांपा स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।